उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

# बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक - 16)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 22 मई ,2023

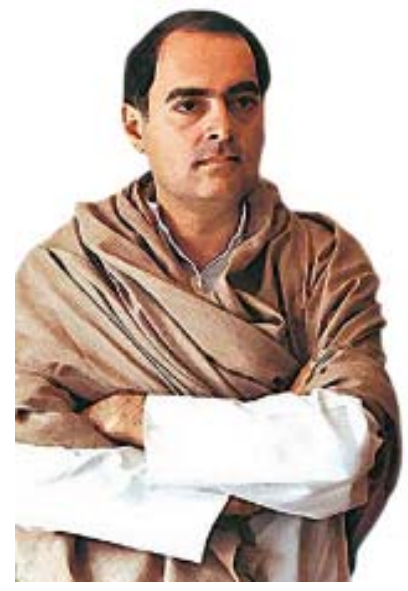

▶ पूर्व प्रधानमंत्री के निर्वाण दिवस पर हुई पुष्पांजलि सभा

▶ क्या आप बढ़ते वजन को तेजी से करना चाहते हैं कम ?

▶ राजीव गांधी हत्याकांड में 6 दोषियों का क्या था रोल

## न्यूज संक्षिप्त

### रिश्वत मामले में वानखेड़े से 5 घंटे सीबीआई पूछताछ

मुंबई । सीबीआई ने कोर्डेलिया क्रूज से मादक पदार्थ की जब्ती और घूस मांगने के मामले मुंबई में एनसीबी के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े से शनिवार को पांच घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का नाम शामिल नहीं करने की एवज में उनसे कथित रूप से 25 करोड़ रुपये मांगने से जुड़े मामले में वानखेड़े से पूछताछ हुई।

### ओड़िशा में एक व्यक्ति गिरफ़्तार, एक करोड़ रुपये से अधिक की ब्राउन शुगर पकड़ी

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में एक व्यक्ति को गिरफ़्तार किया गया और उसके पास से एक करोड़ रुपये से अधिक की ब्राउन शुगर (मादक पदार्थ) जब्त की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर ओडिशा पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने शनिवार शाम भुवनेश्वर में यूनिट-8 पर छापा मारा, जिसमें 1.10 किलोग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई और ढेंकानाल के एक निवासी को गिरफ़्तार किया गया। एसटीएफ महानिरीक्षक जय नारायण पंकज ने बताया कि स्वापक औषधि और मन-प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

### अंडरपास में गहरे पानी में फंसे परिवार को बचाया गया

बेंगलुरु। बेंगलुरु में भारी बारिश के बीच रविवार को के. आर. सर्किल अंडरपास में पानी भरने के कारण वहां फंसी एक कार में सवार एक परिवार के सदस्यों को दमकल और आपात सेवा कर्मियों ने बचा लिया। कार में सवार एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक, रविवार दोपहर भारी बारिश और ओलावृष्टि के बीच हैदराबाद का छह लोगों का परिवार एक कार से यात्रा कर रहा था। अंडरपास में पानी के स्तर को महसूस किए बिना, कार चालक ने आगे बढ़ने की कोशिश की लेकिन बीच में ही कार लगभग जलमग्न हो गई। आनन-फानन में गाड़ी में बैठे लोग खुद को बचाने के लिए बाहर निकले। बारिश के कारण जलस्तर बढ़ने लगा। जैसे ही परिवार के सदस्यों ने मदद के लिए शोर मचाया, आस-पास के लोग उन्हें बचाने के लिए आगे आए।

### पुंछ में संदिग्ध गतिविधि का पता चलने के बाद तलाश अभियान जारी

पुंछ/जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सीमावर्ती पुंछ जिले के एक अग्रिम इलाके में एक संतरी ने शनिवार देर रात संदिग्ध गतिविधि देखी और गोली चलाई, जिसके बाद सेना ने रविवार को इलाके में तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मेंढर सेक्टर के केरी शिविर में देर रात करीब तीन बजे संतरी की ड्यूटी पर तैनात जवान ने संदिग्ध गतिविधि देने के बाद गोलीबारी की, जिसमें कोई घायल नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति ने कोई जवाबी कदम नहीं उठाया, लेकिन सेना ने यह सुनिश्चित करने के लिए इलाके और निकटवर्ती जंगल में एक बड़ा तलाश अभियान शुरू किया है कि वहां कोई आतंकवादी तो मौजूद नहीं है।

2,000 रुपये के नोट को लेकर आरबीआई का आया बयान

## नोट बदलने के लिए नहीं होगी किसी फॉर्म या पहचान पत्र की जरूरत

नई दिल्ली। स्टेट बैंक इंडिया (एसबीआई) की तरफ से 2000 रुपये के नोट को लेकर हाल ही में नई गाइडलाइन जारी की गई है। इसके मुताबिक जिन लोगों को नोट बदलने हैं उन्हें नोट बदलने के लिए किसी आईडी की जरुरत नहीं होगी। नोट बदलवाने के लिए लोगों को किसी तरह की आईडी नहीं देनी होगी यहां तक किसी तरह का फॉर्म भी उन्हें भरने की जरुरत नहीं होगी। एसबीआई ने साफ किया है कि नोट बदलने के लिए एक बार में अधिकतम 10 नोट दिए जा सकेंगे यानी 20 हजार रुपये के नोट बदलवाए जा सकेंगे।

इस संबंध में एसबीआई ने नोटिफिकशन भी जारी कर दिया है। बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को 2,000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। इन नोटों को बैंक खातों में जमा करने या बदलने के लिए जनता को 30 सितंबर तक का समय दिया गया। हालांकि, 2000 रुपये का नोट 30 सितंबर तक वैध मुद्रा बना रहेगा, जबकि नवंबर, 2016 की नोटबंदी में 500 रुपये और 1,000 रुपये के नोटों को रातोंरात अमान्य कर दिया गया था।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने सभी स्थानीय प्रधान कार्यालयों के मुख्य महाप्रबंधक को पत्र लिखकर कहा है कि आम जनता को एक बार में कुल 20,000 रुपये तक के 2,000 रुपये के नोटों को बदलने के लिए किसी फॉर्म की जरूरत नहीं होगी। ऐसे नोटों को अपने खाते में जमा करने के लिए रिजर्व बैंक ने कोई सीमा नहीं तय की है। इसके लिए 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) मानदंडों और अन्य लागू वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। वहीं जमा कराने को लेकर बैंक के मूल नियमों का पालन करना होगा। बैंक ने 20 मई को जारी नोटिफिकेशन में कहा कहा, ''विनिमय के समय कोई पहचान प्रमाण प्रस्तुत करने की जरूरत नहीं है।'' इस संबंध में सोशल मीडिया पर कई भ्रामक जानकारियां भी फैलाई जा रही हैं जो सही नहीं है। एसबीआई ने अपने स्थानीय प्रधान कार्यालयों को जनता के लिए सभी तरह के सहयोग की व्यवस्था करने को कहा है। सूत्रों के मुताबिक 2,000 रुपये के नोट बदलने के लिए कोई कितनी भी बार कतार में खड़ा हो सकता है। नोट बदलने की सुविधा 23 मई से उपलब्ध है, लेकिन कई ग्राहक शनिवार को 2,000 रुपये के नोट बदलने के लिए अपनी शाखाओं में पहुंचे, जिन्हें समझाकर वापस भेज दिया गया।

### 2,000 रुपये के नोट चलन से बाहर करने से पहले इसके प्रभाव का अध्ययन जरूरी: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 2,000 रुपये के नोट चलन से बाहर करने की भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की घोषणा को जनहित को सीधे तौर पर प्रभावित करने वाला फैसला बताते हुए रविवार को कहा कि ऐसा करने से पहले इसके प्रभाव एवं परिणाम का समुचित अध्ययन जरूरी है। बसपा प्रमुख ने ट्वीट किय, ''मुद्रा और वैश्विक बाजार में उसकी कीमत का संबंध देश के हित एवं प्रतिष्ठा से जुड़े होने के कारण इसमें जल्दी-जल्दी बदलाव करना जनहित को सीधे तौर पर प्रभावित करता है।''मायावती ने सलाह देते हुए कहा, ''इसीलिए ऐसा करने से पहले इसके प्रभाव एवं परिणाम पर समुचित अध्ययन जरूरी है। सरकार इस पर जरूर ध्यान दे।'' उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने 2,000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने की शुक्रवार को घोषणा की थी। हालांकि इस मूल्य के नोट बैंकों में जाकर 30 सितंबर तक जमा या बदले जा सकेंगे। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि अभी चलन में मौजूद 2,000 रुपये के नोट 30 सितंबर तक वैध मुद्रा बने रहेंगे।इसके साथ ही आरबीआई ने बैंकों से 2,000 रुपये का नोट देने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने को कहा है।

### जापान में हुई पीएम मोदी और ऋषि सुनक की मुलाकात

लंदन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष ऋषि सुनक ने रविवार को मुलाकात की है। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए दोनों देशों के बीच चल रही वार्ता की समीक्षा हुई है। मोदी और सुनक यहां हिरोशिमा में जी7 देशों के शिखर सम्मेलन के मौके पर मिले। दोनों नेताओं ने एक दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाया। दोनों ने काफी देर तक खड़े रहकर बातचीत भी की। दोनों की मुलाकात की कई फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास) ने कहा कि दोनों नेताओं ने जापान में वार्ता के दौरान 'महत्वाकांक्षी' एफटीए के लिए काम करने पर सहमति जताई। इससे पहले पिछले नवंबर में इंडोनेशिया में जी20 शिखर सम्मेलन के बाद से उनकी दूसरी निजी बैठक में देशों देशों के बीच गहरे संबंधों पर चर्चा हुई। डाउनिंग स्ट्रीट ने यह संकेत भी दिया कि सुनक अपनी पहली भारत यात्रा के लिए इस साल के अंत में नयी दिल्ली आ सकते हैं। वह जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां आएंगे। डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने कहा, ''नेताओं ने ब्रिटेन और भारत के बीच गहरे संबंधों, हमारे मानवीय संबंधों और लोकतंत्र तथा निष्पक्ष और मुक्त व्यापार के महत्व पर विचार किया।'

## बीजेपी को हराकर कर्नाटक के लोगों ने पूरे देश में उम्मीद जगाई: महबूबा मुफ्ती

बेंगलुरु। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने रविवार को को कहा कि कर्नाटक के लोगों ने विधानसभा चुनाव में ''फासीवादी, सांप्रदायिक और विभाजनकारी'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराकर पूरे देश को उम्मीद की किरण दिखाई है। उन्होंने ''फासीवादी'' भाजपा को हराने के लिए कर्नाटक के लोगों की तारीफ की और लोगों को दिल्ली के हालिया घटनाक्रम को लेकर भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जो हुआ वह सभी के लिए एक खतरे की घंटी है, क्योंकि ऐसा देश में कहीं भी हो सकता है। मुफ्ती 20 मई को राष्ट्रपति द्वारा पारित एक अध्यादेश का जिक्र कर रहीं थी, जिसमें दिल्ली के उपराज्यपाल को दिल्ली में (केंद्र सरकार द्वारा नामित) सिविल सेवकों के खिलाफ स्थानांतरण, तैनाती और अनुशासनात्मक कार्यवाही की निगरानी के अधिकार दिए गए हैं।

गौरतलब है कि अध्यादेश जारी किए जाने से महज एक सप्ताह पहले ही उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था। इस अध्यादेश ने उच्चतम न्यायालय के फैसले को निरस्त कर दिया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख मुफ्ती ने बेंगलुरु में पत्रकारों से कहा, ''दिल्ली में जो कुछ भी हुआ वह सभी के लिए एक खतरे की घंटी है। जम्मू-कश्मीर में जो कुछ हुआ, वह पूरे देश में होने जा रहा है।''उन्होंने कहा, ''भाजपा कोई विपक्ष नहीं चाहती। दिल्ली सरकार को शक्तिहीन कर दिया गया है। यह सभी के साथ होने वाला है।'' मुफ्ती ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कर्नाटक ने पूरे देश को उम्मीद की किरण दिखाई है कि लोकतंत्र में अपने वोट के अधिकार से एजेंसियों और संस्थानों की ताकत को हराया जा सकता है।''उन्होंने कहा, '' मैं देश के संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और धर्मनिरपेक्ष संस्कृति और सबसे बढ़कर भारत के विचार में विश्वास करने वाले अधिकतर विपक्षी दलों को एक साथ लाने के लिए भी उनकी सराहना करती हूं।''उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा में सभी ने कर्नाटक चुनाव लड़ने के लिए धर्म का सहारा लिया, लेकिन फिर भी लोगों ने उन्हें सत्ता से बाहर का रास्त दिखा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव की नींव रखी। मुफ्ती ने कहा, ''पिछले पांच साल से नफरत तथा सांप्रदायिक राजनीति का प्रकोप रहा है, जिसने यहां के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को गहरे घाव दिए होंगे। मुझे यकीन है कि सिद्धरमैया और डी. के. शिवकुमार के साथ कांग्रेस सरकार उन घावों को भरने में कामयाब होगी, जो पिछले पांच साल में राज्य को मिले हैं।''अपने राज्य के बारे में बात करते हुए मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर ''फासीवादी ताकतों'' का पहला शिकार बना। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब स्वतंत्रता के समय पूरा उपमहाद्वीप सांप्रदायिक आग से जल रहा था, तब मुस्लिम बहुल राज्य होने के बावजूद और सभी बाधाओं के बावजूद, जम्मू-कश्मीर ने भारत के विचार के साथ जाने का फैसला किया था।

## बृजभूषण के खिलाफ नहीं हो रही कोई कार्रवाई, किसान और पहलवान एकजुट होकर लेंगे बड़ा फैसला

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कई पहलवान दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना दे रहे हैं। प्रदर्शनकारी पहलवानों के समर्थन में रविवार को किसानों की बैठक होने वाली है, जिसके मद्देनजर दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। जंतर मंतर पर 23 अप्रैल से पहलवानों का प्रदर्शन जारी है जिसकी अगुवाई विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया कर रहे हैं।

पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ प्रमुख ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों के बाद पहलवानों ने मांग की थी कि 21 मई तक बृजभूषण की गिरफ्तारी होनी चाहिए, जिसकी समय सीमा आज समाप्त हो रही है। इस समय सीमा के खत्म होने के बाद पहलवानों ने बड़े आंदोलन को करने का ऐलान किया था। इसे लेकर अब किसानों के साथ पहलवान मिलकर आगे की रणनीति तैयार करेंगे।वहीं रविवार को होने वाले किसानों और पहलवानों के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने ऐहतियातन सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। पुलिस ने कहा कि शहर की सीमाओं पर बहुस्तरीय अवरोधक लगा दिए गए हैं और जांच तेज कर दी गई है। पुलिस ने यह भी कहा कि दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच की जाएगी और चौकियां बढ़ाई जाएंगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, जंतर-मंतर और उसके आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं और विरोध प्रदर्शन स्थल पर पहले से ही बहुस्तरीय अवरोधक लगा दिए गए हैं। पूरे क्षेत्र में 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि दिल्ली की सीमाओं पर गश्त बढ़ाई जाएगी। जरूरत पड़ी तो अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। प्रदर्शनकारी पहलवानों ने शनिवार को चेतावनी दी थी कि महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ निष्क्रियता का विरोध करने के लिए रविवार को बड़ा फैसला लिया जा सकता है, जो देश के हित में नहीं हो सकता है। पहलवानों के आंदोलन को आगे बढ़ाने को लेकर खाप महापंचायत के लिए 21 मई की समय सीमा तय की गई है। बृजभूषण पर नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

विरोध प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने शनिवार को चेतावनी दी कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण के खिलाफ सरकार की निष्क्रियता' के कारण खाप पंचायत ऐसा फैसला ले सकती है जो शायद 'देश के हित में नहीं होगा'।

## अल सल्वाडोर में फुटबॉल स्टेडियम में भगदड़ में कम से कम नौ लोगों की मौत

राष्ट्रीय सिविल पुलिस ने ट्विटर के माध्यम से एक शुरुआती रिपोर्ट में कहा कि कस्कैटलान के मॉन्युमेंटल स्टेडियम में क्लब एलियांजा और एफएएस के बीच मैच में नौ लोगों के मरने की पुष्टि हुई है। यह स्टेडियम राजधानी से लगभग 25 मील (41 किलोमीटर) पूर्वोत्तर में है।

सल्वाडोर फुटबॉल लीग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान स्टेडियम के एक प्रवेश द्वार पर धक्का-मुक्की के बाद मची भगदड़ में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। राष्ट्रीय सिविल पुलिस ने ट्विटर के माध्यम से एक शुरुआती रिपोर्ट में कहा कि कस्कैटलान के मॉन्युमेंटल स्टेडियम में क्लब एलियांजा और एफएएस के बीच मैच में नौ लोगों के मरने की पुष्टि हुई है। यह स्टेडियम राजधानी से लगभग 25 मील (41 किलोमीटर) पूर्वोत्तर में है। पुलिस ने बताया कि अस्पतालों में ले जाए गए घायलों में से कम से कम दो की हालत गंभीर है। फर्स्ट ऐड ग्रुप रेस्क्यू कमांडोज के प्रवक्ता कार्लोस फ्युंटेस ने बताया, ''हम नौ लोगों के मरने की पुष्टि कर सकते हैं जिनमें सात पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। हमने 500 से अधिक लोगों का उपचार किया है और 100 से अधिक लोगों को अस्पताल ले जाया गया जिसमें से कुछ की हालत काफी गंभीर है।''मैच के लगभग 16 मिनट बाद खेल को स्थगित कर दिया गया और घायलों को एक सुरंग से बाहर निकालकर मैदान पर लाया गया। स्थानीय टेलीविजन ने एलियांजा के प्रशंसकों द्वारा भगदड़ की तस्वीरें प्रसारित कीं। दर्जनों प्रशंसकों का मैदान पर भी उपचार किया गया। अल सल्वाडोर के प्रथम डिविजन फुटबॉल के अध्यक्ष पेड्रो हर्नांडेज ने कहा कि शुरुआती सूचना के अनुसार भगदड़ इसलिए मची क्योंकि प्रशंसक एक प्रवेश द्वारा से धक्का-मुक्की करके स्टेडियम के अंदर घुसने लगे। एक अज्ञात वालंटियर ने बताया, ''यह प्रशंसकों का हुजूम था जो द्वार पर चढ़ गया था। कुछ लोग अब भी सुरंग में फंसे हुए हैं। कुछ लोग स्टैंड और फिर मैदान पहुंचने में सफल रहे।'' सल्वाडोर फुटबॉल महासंघ ने बयान जारी करके कहा कि जो भी हुआ उसका उन्हें खेद है और उन्होंने पीड़ितों के परिवार के प्रति संवेदना जाहिर की।

## छत्तीसगढ में तीन माओवादी गिरफ्तार, आईईडी जब्त

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षा बलों ने तीन माओवादियों को गिरफ्तार किया और उनके द्वारा लगाया गया एक आईईडी बरामद किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए माओवादियों में से दो पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने बताया कि जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 30वीं बटालियन की एक संयुक्त टीम ने शुक्रवार को जिले में सीआरपीएफ के चिलपरस कैंप से तलाशी अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने बताया, अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने कोयलीबेड़ा पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में आने वाले एक वन क्षेत्र में तीन लोगों को देखा। उन्हें उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे थे।

उन्होंने बताया, उनके कब्जे से एक वॉकी-टॉकी, एक टॉर्च और 6,000 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उनके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर एक आईईडी बरामद किया गया, जो उन्होंने चिलपरस दुड़ता रोड पर लगाया था। उन्होंने बताया कि तीनों आरोपियों की पहचान कांकेर के कोयलीबेड़ा निवासी पीलूराम आंचला उर्फ सालिक राम (35), पुनाउ राम मांडवी (22) और बीजापुर के रहने वाले रमेश पुनेम उर्फ बुधरू (25) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि पीलूराम माओवादियों के उत्तरी बस्तर डिवीजन की कंपनी नंबर-5 के सेक्शन-ए का उप-कमांडर था। पुनेम माओवादी कंपनी नंबर-5 का सदस्य था। दोनों पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने बताया कि पीलूराम के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास के मामले दर्ज हैं, जबकि पुनेम हत्या के प्रयास के मामले में वांछित था।

### पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 32वीं पुण्यतिथि पर राहुल, सोनिया और कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देश आज भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को 32वीं पुण्यतिथि पर याद कर रहा है।21 मई, 1991 को एक आत्मघाती बम धामाके में राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी।

यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, केसी वेणूगोपाल व अन्य ने दिल्ली के वीर भूमि में राजीव गांधी स्मारक पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार राज्य कांग्रेस कार्यालय पहुंचे और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी 32वीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी जयपुर में पूर्व प्रधानमंत्री को पुष्पांजलि अर्पित की। राहुल गांधी जाएंगे श्रीपेरंबदूरपिता को श्रद्धांजलि देने के लिए आज राहुल गांधी श्रीपेरंबदूर जाएंगे। इस बीच उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के जरिए उन्होंने अपने पिता राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही लिखा, पापा, आप मेरे साथ ही हैं, एक प्रेरणा के रूप में, यादों में, सदा!

## संपादकीय

### गर्म दौर की तपिश

यह एक हकीकत है कि जलवायु परिवर्तन का दंश पूरे विश्व के लिये संकट पैदा कर रहा है। जिसके प्रभाव पूरी दुनिया में सूखे, बाढ़ और लू की तपिश के रूप में सामने आ रहे हैं। इस विकट स्थिति में वृद्धि की आशंकाओं के बीच विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ के जलवायु परिवर्तन के पूर्वानुमान डराने वाले हैं। संगठन के अनुसार आने वाले पांच वर्ष अब तक के सबसे गर्म वर्ष साबित होने वाले हैं। जिसके लिये दुनिया के तमाम देशों को तैयार रहना होगा। जाहिर है इससे पूरी दुनिया को भीषण गर्मी, विनाशकारी बाढ़ और सूखे जैसी मौसमी घटनाओं के परिणामों के लिये तैयार रहना होगा। खासकर विकासशील देशों के लिये यह बड़ी चुनौती होगी क्योंकि उन्हें अपनी बड़ी आबादी को इस संकट से सुरक्षा प्रदान करनी होगी। इससे कृषि व अन्य रोजगार के साधन ही बाधित नहीं होंगे बल्कि कई देशों की खाद्य सुरक्षा श्रृंखला के खतरे में पड़ जाने की आशंका बलवती हुई है। निस्संदेह, घातक मौसमी घटनाओं के परिणामों से बचने के लिये विकसित व विकासशील देशों को कमर कसनी होगी। दरअसल, पूर्व औद्योगिक युग के स्तर पर 1.5 डिग्री सेल्सियस की खतरनाक वृद्धि से आगे तापमान बढ़ने से अल नीनो प्रभाव के चलते तमाम विनाशकारी परिणाम सामने आ सकते हैं। दरअसल, मानव की अंतहीन लिप्सा के चलते पैदा हुई ग्रीन हाउस गैसों द्वारा उत्सर्जित गर्मी इस संकट में इजाफा ही करने वाली है। जिससे दुनिया के पर्यावरण के व्यापक विनाश की आशंका पैदा हो रही है। मनुष्य द्वारा प्रकृति के साथ किये गये खिलवाड़ का खमियाजा आने वाली पीढ़ियां भुगतने को अभिशप्त हैं। लेकिन अपने संसाधनों का भरपूर उपयोग करके समृद्धि पाने वाले विकसित देश अपने दायित्वों से मुंह मोड़ रहे हैं। दुनिया में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े तमाम संगठनों की दशकों से पर्यावरण संरक्षण की मांग को अनदेखा करके विकसित देश गरीब मुल्कों की मदद के लिये आगे नहीं आ रहे हैं। जिसके चलते हाल-फिलहाल में इस संकट का तार्किक समाधान निकलता नजर नहीं आ रहा है। हालांकि, विश्व मौसम विज्ञान संगठन की यह टिप्पणी कुछ राहत देती है कि यह वैश्विक तापमान वृद्धि अस्थायी है। लेकिन संगठन इसके बावजूद चेतावनी देता है कि पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग एक हकीकत बन चुकी है। मगर यह भी एक हकीकत है कि जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में हुए सम्मेलनों में किये गये वायदों का सम्मान करने के लिये विकसित राष्ट्र अपने दायित्वों से विमुख बने हुए हैं। निश्चित रूप से जब तक विकसित देश तापमान नियंत्रण की दिशा में ईमानदार पहल नहीं करते पूरी दुनिया एक भयावह आपदा की दिशा में अग्रसर ही रहेगी। आज के हालात में यह जरूरी हो गया है कि जीवाश्म ईंधन के विकल्प तुरंत तलाशे जायें। अब चाहे हरित ऊर्जा का क्रियान्वयन युद्ध स्तर पर करने की जरूरत हो या फिर गरीब मुल्कों में संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा और पुनर्वास की तैयारी हो। बिना अमीर मुल्कों की आर्थिक मदद के स्थिति में कोई सुधार संभव नहीं होगा। यह न्यायसंगत होगा कि पिछली शताब्दी में विकसित देशों की औद्योगीकरण की प्रक्रियाओं के दौरान कार्बन उत्सर्जन के कारण विकासशील देशों को हुए नुकसान की भरपाई विकसित देश ईमानदारी से करें।

# बेलगाम मुनाफाखोरी से हलकान किसान

**कुछ सप्ताह पहले, एक ओर स्थानीय बाजार में ग्राहक 1 किलो शिमला मिर्च 30 रुपये में खरीद रहा था तो दूसरी ओर सही दाम न लगने से त्रस्त होकर किसान अपनी शिमला मिर्च रोष-स्वरूप सड़कों पर फेंक रहा था। थोकमंडी में शिमला मिर्च की 17 किलो की बोरी का महज भाव 15 रुपये लगा और व्यापारी इससे ज्यादा देने को राजी न था। परंतु बाजार भाव जस के तस था, नतीजतन बिचौलिए व्यापारी 2900 प्रतिशत मुनाफा कूट गए! न केवल बहुतायत में प्रयोग होने वाले टमाटर, प्याज और आलू के मामले में बल्कि लहसुन, अदरक, फूल गोभी, बंद गोभी, गाजर, भिंडी, बैंगन, शिमला मिर्च और सलाद पज़ों की कहानी भी यही है। शायद ही कभी देखा गया कि उत्पादक और उपभोक्ता छोर की कीमतें आसपास रहीं। कई सालों से मैं इस धंधे का लेखा-जोखा रख रहा हूं और मेरा आकलन न सिर्फ उस वक्त का है**

एक रोज़ टेलीविजन चर्चा पर मैंने कहा कि किसान के प्याज की जो कीमत थोक मंडी में लगती है (2-3 रुपये प्रति किलो) और जिस दाम पर उपभोक्ता खरीदता है (जगह के हिसाब से 20-30 रुपये प्रति किलो), कीमतों में इतना बड़ा अंतर हैरान-परेशान करता है। अन्य शब्दों में कहें तो थोक और खुदरा मंडी के बीच भाव में अंतर लगभग 900 प्रतिशत है!फरवरी माह में, जब पंजाब में स्थानीय सब्जी विक्रेता गोभी 20 रुपये प्रति किलो बेच रहे थे, ठीक उसी समय थोक मंडी में किसान की गोभी की कीमत 2-3 रुपये प्रति किलों से ज्यादा नहीं लगी। पुन: यहां भी मुनाफा कोई 900 प्रतिशत रहा। समाचारों के अनुसार उसी महीने में, कृषक के आलू का भाव थोक मंडी में 4-6 रुपये प्रति किलो लगा जबकि बाजार में 20 रुपये प्रति किलो बिक रहा था। जाहिर है यह व्यापार अत्यधिक मुनाफे वाला है।

कुछ सप्ताह पहले, एक ओर स्थानीय बाजार में ग्राहक 1 किलो शिमला मिर्च 30 रुपये में खरीद रहा था तो दूसरी ओर सही दाम न लगने से त्रस्त होकर किसान अपनी शिमला मिर्च रोष-स्वरूप सड़कों पर फेंक रहा था। थोकमंडी में शिमला मिर्च की 17 किलो की बोरी का महज भाव 15 रुपये लगा और व्यापारी इससे ज्यादा देने को राजी न था। परंतु बाजार भाव जस के तस था, नतीजतन बिचौलिए व्यापारी 2900 प्रतिशत मुनाफा कूट गए! न केवल बहुतायत में प्रयोग होने वाले टमाटर, प्याज और आलू के मामले में बल्कि लहसुन, अदरक, फूल गोभी, बंद गोभी, गाजर, भिंडी, बैंगन, शिमला मिर्च और सलाद पत्तों की कहानी भी यही है। शायद ही कभी देखा गया कि उत्पादक और उपभोक्ता छोर की कीमतें आसपास रहीं। कई सालों से मैं इस धंधे का लेखा-जोखा रख रहा हूं और मेरा आकलन न सिर्फ उस वक्त का है जब कृषि उत्पाद के दाम कौड़ियों के भाव लगे बल्कि सामान्य दिनों में भी बिचौलिया-मुनाफा चरम पर है।जिसे हम खाद्य-मुद्रास्फीति के पैमाने से नापते हैं और आम धारणा है कि यह किसानों को ज्यादा दाम चुकाने से बनी है, वास्तव में यह विक्रेता के मुनाफे से चालित है। जो कीमत उपभोक्ता चुकाता है उसमें खुदरा व्यापारियों का छिपा और दोहनकारी मुनाफा भी शामिल है। आखिरकार किसी भी व्यापार में 900 प्रतिशत, कुछेक मामलों में तो 2900 प्रतिशत तक, मुनाफे को कैसे न्यायोचित कहें। जब भी किसानों द्वारा उत्पाद सड़कों पर फेंकने की खबरें आती हैं, तब सोशल मीडिया पर विभिन्न नामों के तहत चल रहे हैंडल्स का एक बडा जत्था प्रचार करता है इसके भी जिम्मेवार खुद किसान हैं। जो दलीलें वे देते हैं वे कृषि उत्पाद के धंधेबाजों के दावों से अलग नहीं हैं, जब कहा जाता है कि यदि किसानों ने सरकार को तीन कृषि कानून वापिस लेने को मजबूर न किया होता तो उन्हें उपज के दाम बेहतर मिल जाते। कुछ तो यहां तक कहते हैं कि निरस्त हुए कृषि कानून कृषि को मुनाफादायक बना देते !इसी किस्म के तर्क संगठित खुदरा आपूर्ति श्रृंखला के प्रवेश के समय दिए गए थे। जब कहा गया कि संगठित खुदरा व्यापार प्रणाली से बिचौलिए खत्म हो जाएंगे, जिससे न केवल किसान को उपज की बेहतर कीमत मिलेगी बल्कि उपभोक्ता को भी अपेक्षाकृत कम दामों पर वस्तुएं मुहैया होंगी, लिहाजा दोनों छोर पर दोहन पर रोक लगेगी। लेकिन यह हुआ नहीं। उदाहरणार्थ, जब थोक मंडी में किसान के प्याज, लहसुन या शिमला मिर्च का दाम कौड़ियों के भाव लगता है तो मैंने कभी नहीं पाया कि सुपरमार्किट के स्टोरों पर खुदरा दाम उसी अनुपात में घटे हों। यदि आपने कभी देखा हो कृपया बताएं मैं अपना कहा सुधार लूंगा। मुझे यह भी मालूम है तब वस्तुविशेष की गुणवत्ता का वास्ता दिया जाएगा, लेकिन यह अकेला कारक खरीदार से कई सौ गुणा ज्यादा दाम वसूलने की वजह नहीं हो सकता। सेब का उदाहरण लें तो, हिमाचल प्रदेश में बागवान से सेब की क्रय कीमत औसतन 60 रुपये प्रति किलो रही। पहले तो खरीदार बड़ी कंपनियों ने जिस भाव पर सेब उठाया जा रहा था, उसमें बिना स्पष्ट वजह 16 रुपये प्रति किलो की कटौती कर दी, फिर उस सेब को स्टोर में रखकर, पैकिंग के बाद सुपरमार्किट में 199 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचा अर्थात? लगभग 230 प्रतिशत मुनाफा। फल की रेहड़ियों वाले भी सेब 150 रुपये प्रति किलो तक बेचते रहे। गौरतलब है यहां कंपनियों का कमीशन मार्जिन नीचे नहीं आया, जबकि सदा यह दावा रहा कि उनके आने से आपूर्ति श्रृंखला में अनेक स्तरों पर बिचौलिए खत्म होंगे और उपभोक्ता छोर की कीमतें नीचे आएंगी। दूसरे शब्दों में कहें तो यह खाद्य मुद्रास्फीति रिवायती तौर पर मुनाफाखोरों का डंक लगने से बनती है और इसे 'मुनाफास्फीति' कहना ज्यादा सही होगा, खासकर फल-सब्जियों के मामले में, जहां बिचौलिए व्यापारी भारी-भरकम मुनाफा कूट जाते हैं। लेकिन जब कभी हम खाद्य-मुद्रास्फीति ऊपर चढ़ती सुनते हैं तो आम धारणा के अनुसार स्थिति किसानों को ज्यादा भाव चुकाने के कारण बनी है। लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। सब्जियों की खुदरा कीमतें तो कमोबेश एक-सी रहती हैं पर बिचौलिए का मुनाफापरस्त लालच खाद्य-मुद्रास्फीति सूचकांक ऊपर चढ़ा देता है।यहां तक कि ब्रिटेन में भी, जब अप्रैल माह में खाद्य और पेय वस्तुओं के दामों में 20 प्रतिशत उछाल आया तो राजनेताओं ने कम्पीटिशन एंड मार्किट अथॉरिटी को जांच करने को कहा। खबरें पहले ही दिखा चुकी थी कि कीमतें चढ़ने का मुख्य कारण ज्यादा मुनाफाखोरी है। खुदरा व्यापार पर लगाम लगाने का दबाव इस कदर बना कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को गत मंगलवार, 16 मई को अग्रणी उद्योगपतियों को बुलाकर बैठक करनी पड़ी।

जहां पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह वार्ता खाद्य मुद्रास्फीति को लेकर चोटी के स्तर पर थी वहीं सिविल सोसायटी का कहना है इसमें समाज के विभिन्न तबकों की आवाज़ सुनी जानी चाहिए थी ताकि खाद्य मूल्य पिछले स्तर पर आ सकें। मैं सोचता हूं कि इस तथ्य के मद्देनजर कि कृषि का धंधा एक टिकाऊ जीवन-निर्वाह सीमारेखा पहले ही लांघ चुका है तो ब्रिटिश सरकार को अपनी कृषि नीतियों पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की जरूरत है। मेरा सुझाव है दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश में समुदाय-आधारित प्राकृतिक खेती प्रणाली ने जिस तरह अगुवाई कर दिखाई है, उससे सीख लेकर कृषि-पर्यावरणमित्र कृषि व्यवस्था के प्रति खुलापन रखते हुए, इस ओर संयुक्त प्रयासों को बढ़ावा दिया जाए। आंध्र प्रदेश में 8 लाख किसान पहले ही खतरनाक रसायन वाली खेती छोड़कर रसायन-रहित कृषि में तब्दील हो गए हैं।

इसी तरह भारत में नियमों की सख्त पालना करवाना जरूरी है ताकि थोक और खुदरा कीमतों में अंतर का जिम्मेवार शोषणकारी बिचौलिया व्यापार मार्जिन घटे और उपभोक्ता-दाम स्वीकार्य सीमा पर आ सके। रिजर्व बैंक को खुद यह स्वीकार करना होगा कि जब कभी बढ़ती मुद्रास्फीति पर चिंता व्यक्त करे तो सारा दोष किसानों की उपज को कथित उच्चतर कीमत देने पर मढ़ने की बजाय स्वीकार करे कि मुख्य कारण है खुदरा व्यापारियों की अस्वीकार योग्य

# पूरे सप्ताह की पड़ताल ; नोटबंदी, केरला स्टोरी, बागेश्वर धाम और पहलवानों की हड़ताल ..!

बीते एक सप्ताह में क्या कुछ घटा उसे जानने और समझने के लिए अब आप लगातार पड़ताल नामक मेरा ये कॉलम पढ़ सकते है । पहले ड्रामा शुरू हुआ सुप्रीम कोर्ट के दिए उस फैसले से जिसमें दिल्ली के एलजी को प्रशासनिक अधिकारी के नियुक्ति और स्थानांतरण को एक तरह से अवैध कह कर गेंद केजरीवाल के पाले में डाल दी गई पर तुरंत बाद भाजपा ने नहले पर दहला मारते हुए अध्यादेश लगाकर निर्णय को उलट दिया । दूसरा पड़ताल बिहार के इंट्रेस्टिंग लालू पुत्र तेजप्रताप यादव से जुड़ा है जिनका दारू सप्लायर संघ के नाम से वायरल हो रहा डीएसएस ने बाबा बागेश्वर धाम को पटना आने से रोकने के लिए काफी स्टंट बाजी की पर बाबा आए ,छाए और बिहार में हुंकार भर निकल भी गए ।

तीसरा पड़ताल कर्नाटक चुनाव के बाद सीएम के कुर्सी को लेकर होने वाले उठापटक को लेकर थी जिसमे आखिर डीके शिवकुमार को अगला पायलट बनने पर मजबूर कर दिया गया । चौथी पड़ताल दिल्ली के जंतर मंतर पर पहलवानों के धरने को लेकर है जिसमे उनकी स्थिति अब आ बैल मुझे मार वाली हो गई है और अब लग रहा ये पहलवान किसी काम के नही बचेंगे और इनके साथ माया मिली न राम वाली स्थिति होगी और सप्ताह के अंत में आखिरी पड़ताल दो हजार के नोट को बैंको में तत्काल बदले जाने से मची खलबली को लेकर जहां बड़े धनाडय छटपटा रहे और छोटे मोटे लोग मजे से चटकारे ले रहे । लेकिन आप डरो नहीं ईमानदार केंद्र सरकार में अभी और अजूबे शामिल हैं जिससे बेईमान और भ्रष्टाचारी अभी और शोर मचाएंगे , दो हजार के नोट बंद करके सरकार ने एक बार फिर भ्रष्टाचार पर नकेल कसने की पहल की है , आतंकवाद की कमर तोड रही है, पाकिस्तान से आने वाले नकली नोटों को रोक रही है ।घबराओ नहीं अब इससे बड़ा नोट जारी नही है हो सकता है विपक्ष के पास हो जो वह सिर्फ उन लोगों को दे जो पीएम केयर में दान नही देंगे पर हिसाब लेंगे , उनके पार्टी फंड में आईएसआईएस के दिए इतने नोट हो गये हैं कि रखने की जगह नहीं थी और अब यह

पंकज कुमार मिश्रा ( जौनपुर )

**पाकिस्तान से आने वाले नकली नोटों को रोक रही है ।घबराओ नहीं अब इससे बड़ा नोट जारी नही है हो सकता है विपक्ष के पास हो जो वह सिर्फ उन लोगों को दे जो पीएम केयर में दान नही देंगे पर हिसाब लेंगे , उनके पार्टी फंड में आईएसआईएस के दिए इतने नोट हो गये हैं कि रखने की जगह नहीं थी और अब यह नोटबंदी सुनकर झटपटा रहे ।**

नोटबंदी सुनकर झटपटा रहे ।देश के अस्सी करोड़ लोगों को पिछली नोटबंदी के बाद सुकून मिला था और 40 करोड़ लोग एजेंडे के तहत फटी जेब दिखाकर रोते देखे गए । जब पिछली सरकारों ने उन्हें पांच किलो राशन के लायक बनाया गया था अब उसमें वृद्धि का समय आ गया है क्योंकि बिना गरीबी के राष्ट्रवाद नष्ट हो रहा है लोग दूसरे दलों को वोट देने लगें हैं। विश्वास रखो इससे बर्बाद होते विपक्ष में अनेक पब्लिक डिसीजन को बदनाम करने। में मदद मिलेगी, जिन राज्यों में चुनाव बाकी है वहां भाजपा की सरकार नहीं है, वहां की गैर राष्ट्रवादी सरकारों ने दो हजार के नोटों का जखीरा इक्कठा कर लिया है उसे हमारे खिलाफ उपयोग से रोकने में मदद मिलेगी और आखिरी बात हमने पेट्रोल के बदले रुस को दो हजार के करोड़ों नोट दिए हैं अब वो बदलवाने कहां जाएगा, हमें चमका रहा था कि रुपये में पेट्रोल नहीं देगा, अब बता रुपया किसको देगा। फिर बता रहा हूं इस बार 127 दिन बाद यह फैसला गलत लगे तो किसी चौराहे पर नहीं आऊंगा, तुमको सड़क पर ला छोड़ा है अब भुगतो।

उधर एक मुख्य पड़ताल में सुप्रीम कोर्ट ने तीन फैसले दिए और इन तीन फैसलों के कारण लेफ्ट लिब्रल, कांग्रेस और वामपंथियों के पिछवाड़े में बहुत जोर का दर्द हो रहा है। उनको लग रहा है कि ये तीनों फैसले सरकार के पक्ष में है। इन देशद्रोहियों का रोना गलत भी नहीं है क्योंकि यह हमेशा से मानते आए हैं कि सरकार भले ही किसी की भी हो लेकिन सिस्टम हमारा है। अगर आप कोर्ट के इन फैसलों के बारे में गहराई से विचार विमर्श करेगें तो आप पाएंगे कि ये फैसले सरकार के बजाय हिंदुस्तान के पक्ष में हैं, देश की संस्कृति धरोहर के पक्ष में हैं और देश में जो भी अच्छा हो रहा है उसके पक्ष में है। आइए सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए इन फैसलों का सनातन की दृष्टि से विश्लेषण करते हैं ।

पहला फैसला आया है द केरल स्टोरी मूवी के बारे में,दरअसल पश्चिम बंगाल सरकार ने इस मूवी पर रोक लगा दी थी और तमिलनाडु सरकार ने अप्रत्यक्ष रूप से थिएटर मालिकों को इसे ना दिखाने को कहा था जिसके बाद इन दोनों राज्यों में यह फिल्म दिखानी बंद कर दी गई थी। फिल्म के निर्माता इस रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में गए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि इस मूवी पर बैन गैर कानूनी है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा लगाए गए बैन को हम स्थगित करते हैं और तमिलनाडु सरकार को आदेश देते हैं कि थिएटर मालिकों को सुरक्षा प्रदान करें ताकि लोग फिल्म को देख सकें। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी राज्य सरकार को लगता है कि इस तरह की फिल्म से कानून व्यवस्था खराब हो सकती है तो यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह कानून व्यवस्था को बना कर रखे ।सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद वामपंथी गैंग इसे अपने मुंह पर एक तमाचे की तरह देख रहा होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बहुत ही दूरगामी परिणाम होंगे और भविष्य में हिंदुओं के उत्पीड़न पर और भी ज्यादा मूवी बनाई जाएंगी। सुप्रीम कोर्ट के इस स्पष्ट आदेश के बाद भविष्य में वामपंथी गैंगों को इस तरह के मामलों में अदालतों से किसी भी तरह की राहत नहीं मिल पाएगी।

## फिल्मकार रोहित शेट्टी ने जारी किया रोमांटिक म्यूजिक वीडियो 'माहौल'

मुंबई। मर्चेंट रिकॉर्ड्स और गोडैडी इंडिया की नवीनतम प्रस्तुति 'माहौल' को पिछले दिनों मुम्बई में एक बड़े ही भव्य और शानदार अंदाज़ में जाने-माने फ़िल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी और मशहूर संगीतकार जोड़ी सलीम-सुलेमान की उपस्थिति में लॉन्च किया गया। इस मौके पर बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने अपनी ख़ास मौजूदगी दर्ज कराई। दिलो-दिमाग़ को सुकून पहुंचाने वाला गीत 'माहौल' एक ऐसा गाना है जिसमें प्रेम और समर्पण की अनोखा संगम देखने को मिलेगा।आई. पी. सिंह द्वारा लिखित इस गाने को गाया, कम्पोज और इसे प्रोड्यूस राज पंडित ने किया है और इस म्यूज़िक वीडियो में भी एक लीड एक्टर के तौर पर? नजर आ रहे हैं और म्यूज़िक वीडियो में उनके साथ नजर आ रही हैं बेहद ख़ूबसूरत वेदिका कौल व्यास। ग़ौरतलब है कि इस वीडियो सॉन्ग के लॉन्च के मौके पर जाने-माने फ़िल्ममेकर रोहित शेट्टी ने एक्शन क्लैप दिया।इस मौके पर उन्होंने कहा- आमतौर पर एक्शन क्लैप किसी भी शॉट की शुरुआत में दिया जाता है। अब जब मैंने इस गाने के लॉन्च के मौके पर क्लैप दे दिया है तो मैं उम्मीद करता हूं कि यह राज पंडित और उसकी पूरी टीम के लिए एक बढ़िया शुरुआत का संकेत साबित होगा।म्यूज़िक वीडियो 'माहौल' को संगीतकार जोड़ी सलीम-सुलेमान के यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकता है इसके साथ ही यह गाना सभी प्रमुख म्यूज़िक स्ट्रीमिंग साइट्स पर भी उपलब्ध है।

# राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस 21 मई पर विशेष उड़ी बाबा ! आतंकवादी , नक्सलवादी हमला !

प्रस्तुति: काली दास पाण्डेय

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर आतंकवादी हमलों से अनेक विकसित देशों सहित छोटे, मध्यम, विकासशील सहित हर देश जूझ रहे हैं, क्योंकि आतंकवादियों का कोई धर्म मज़हब नहीं होता, उनका कोई व्यक्तिगत उद्देश्य नहीं होता, परंतु अगर उनका कट्टरता से ब्रेनवाश कर युवाओं की को आतंकवाद रूपी खाई में जब धकेला जाताहै,तो फिर उनका उद्देश्य और अंतिम मकसद केवल आतंकवाद फैलाना निर्दोष नागरिकों की हत्याएं करना, आत्मघाती हमलों को अंजाम देना रह जाता है जो हर देश के राष्ट्रहित के लिए अति नुकसानदेह हो जाता है, उस देश के विकास को कई वर्षों पीछे धकेल दिया जाता है। आतंकवाद का दंश झेलने वालों में भारत भी बहुत अधिक पीड़ित है,क्योंकि आए दिन पड़ोसी मुल्कों से बॉर्डर पार कर आने वाले आतंकवादियों द्वारा भारत के अधिकृत जेके क्षेत्र सहित अनेकों शहरों क्षेत्र में खून खराबा किया जाता है, जिसका निर्दोष नागरिकों सहित सुरक्षा बल के जवानों की शहीदी कारीब रोज़ हो रही है।भारत अधिकृत जेके छेत्र में तो हमारे सुरक्षा बलों के वीरों के शहीद होने की घटनाएं खबरें सुनने और पढ़ने को अधिकतम मिल रही है, हालांकि हमारी सेना उनसे डटकर मुकाबला कर रही है परंतु स्थाई समाधान नहीं निकल रहा है जिसे ढूंढने के लिए हमें आतंकवाद के खिलाफ तेजी से जन जागरण अभियान चलाना होगा क्योंकि ताजमहल मुंबई, हमला संसद हमला, सेना पर बड़े-बड़े हमले सहित क्षेत्रीय जिलों राज्यों में नक्सलवादी हमलों की घटनाओं बढ़ रही है हमारे जवान शहीद हो रहे हैं। आतंकवाद नक्सलवादियों की भी मारे जाने की खबरें आती है। उधर एक अभियान के तहत आतंकवादियों नक्सलियों के समर्पण का कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है यहीं से जन जागरण की शुरुआत की बात उठती है। चूंकि 21 मई 2023 को राष्ट्रीय आतंकवाद विरोध दिवस मनाया जा रहा है, क्योंकि उस दिन पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या की गई थी। इसीलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से से चर्चा करेंगे, उड़ी बाबा ! आतंकवादी नक्सलवादी हमला ! आओ जन जागरण अभियान चलाएं।साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मनाने की करें तो, भारत में हर साल 21 मई को लोगों के बीच शांति और एकता का संदेश फैलाने के लिए आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है। यह वह दिन है जिसे लोगों को एकजुट होने और आतंकवाद के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में दुनिया भर में हुए कुछ बड़े हमलों और घटनाओं के कारण आतंकवाद की आशंका बढ़ी है। भारत में आतंकवाद विरोधी दिवस मनाने की शुरुआत देश के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों में से पूर्व पीएम पर हुए सबसे बड़े आतंकवादी हमलों से हुई, राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस का प्राथमिक उद्देश्य देश के भीतर सभी प्रकार की आतंकवादी गतिविधियों का दृढ़ता से विरोध और निंदा करना है इसका उद्देश्य आतंकवादकी विनाशकारी प्रकृति के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सद्भाव, भाईचारे, शांति, एकता और मानवता की विशेषता वाली दुनिया को बढ़ावा देना है। यह दिन आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने और इन मूल्यों को कायम रखने वाले समाज को बढ़ावा देने की दिशा में काम करने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। इस दिन को मनाने के पीछे का उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और हिंसा के पंथ से दूर करना है, और इसका लक्ष्य आम लोगों की पीड़ा को प्रकाश में लाना है। आम लोगों को यह दिखाना है कि कैसे आतंकवाद राष्ट्रीय हित के लिए हानिकारक है।साथियों बात अगर हम इस दिन के महत्व की करें तो, कुछ प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं-(1) जागरूकता आतंकवाद विरोधी दिवस लोगों को- आतंकवाद की प्रकृति, इसके विनाशकारी परिणामों और इसका मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में शिक्षित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। (2) सामूहिक कार्यवाही पर बल-यह दिन लोगों के बीच एकता और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देता है, इस बात पर बल देता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता है। यह आतंकवाद से उत्पन्न आम खतरे के सामने नागरिकों को एक साथ खड़े होने और एक दूसरे का समर्थन करने, धर्म, जाति या जातीयता जैसे मतभेदों को पार करने के लिए प्रोत्साहित करता है। (3) पीड़ितों को याद करना- आतंकवाद का शिकार हुए पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है। यह आतंकवाद के कृत्यों में मारे गए निर्दोष लोगों की याद दिलाता है और उन लोगों की स्मृति का सम्मान करता है जो इस तरह के कृत्यों के कारण पीड़ित हुए हैं (4) शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना- आतंकवाद विरोधी दिवस शांति, अहिंसा, सहिष्णुता और सद्भाव के मूल्यों पर जोर देता है। इसका उद्देश्य व्यक्तियों और समुदायों के बीच समझ, आपसी सम्मान और स्वीकृति की संस्कृति को बढ़ावा देना है, जिससे उन विभाजनकारी विचारधाराओं का मुकाबला किया जा सके जो अक्सर आतंकवाद के कृत्यों को बढ़ावा देती हैं। (5) वैश्विक सहयोग- हालांकि आतंकवाद विरोधी दिवस मुख्य रूप से भारत में मनाया जाता है, लेकिन इसका महत्व राष्ट्रीय सीमाओं से परे है। यह दिन आतंकवाद का मुकाबला करने के वैश्विक प्रयास का प्रतीक है और इस अंतर्राष्ट्रीय खतरे से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, सूचना साझा करने और संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर देता है।साथीयों बात अगर हम दिनांक 19 मई 2023 को माननीय पीएम द्वारा जी7 सम्मेलन हिरोशिमा जापान जाने के पूर्व आतंक पर बयान की करें तो उन्होंने शुक्रवार को कहा कि भारत पड़ोसी मुल्क के साथ एक सामान्य और पड़ोसी संबंध चाहता है, हालांकि यह उसपर पर है कि वह आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त एक अनुकूल वातावरण तैयार करे। उन्होंने अपनी जापान यात्रा से पहले जापानी अखबार से बात करते हुए कहा कि नई दिल्ली पड़ोसी मुल्क के साथ सामान्य और पड़ोसी संबंध चाहती है। उन्होंने कहा, हालांकि, आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त एक अनुकूल वातावरण बनाना उनके लिए आवश्यक है। इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने की जिम्मेदारी पड़ोसी की है।

**एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी**


## अपनी समस्या हमें बतायें

**आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।**

**दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।**

**फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com**

## आवश्यक सूचना

**प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।**

**-सम्पादक**

## आवश्यकता है

**बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ज्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।**

**सम्पर्क करें -:**

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

# विवि के रोजगार मेले में बंपर नौकरियां, सैंकड़ों अभ्यर्थियों को मौके पर ही प्रदान किए गए नियुक्ति पत्र

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में एल्यूमनाई एसोसिएशन और प्लेसमेंट सेल द्वारा रोजगार मेले का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के मूल्यांकन भवन में आयोजित किए गए इस मेले में विश्वविद्यालय कैंपस और सम्बद्ध महाविद्यालयों से उत्तीर्ण और अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

रोजगार मेले का उद्घाटन कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक, प्रति कुलपति प्रो सुधीर कुमार अवस्थी एवं एलुमनाई असोसिएशन के पदाधिकारियों ने किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक ने रोजगार में उपस्थित कम्पनी प्रतिनिधियों, एल्युमनाई एसोसिएशन के पदाधिकारियों का धन्यवाद एवं छात्र-छात्राओं के उत्साह की सराहना की ।उन्होने ने कहा कि जिन छात्रों का चयन इस रोजगार मेले में नही होता है तो वह निराश न हो, विश्वविद्यालय आपके लिए आगे और भी अवसर उपलब्ध करवाने के लिए तत्पर है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्लेसमेन्ट सेल एवं रोजगार मेले के संयोजक डॉ0 प्रभात द्विवेदी, सी0ए0 अर्जित गुप्ता एंव डॉ0 सिधान्शु राय ने रोजगार मेले का क्रियान्वयन किया और बताया कि रोजगार मेले में विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्व महाविद्यालायों के 2500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस रोजगार मेले में लगभग 39 कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने स्नातक, परास्नातक, टेक्निकल, नॉनटेक्निकल सभी अन्तिम वर्ष के व पूर्व छात्र-छात्राओं के बैक ऑफिस, सॉफ्टवेयर डेवलप्मेन्ट, कम्प्यूटर ऑपरेटर, अकाउन्ट्स, ग्राफिक डिजाइनर, बिजनेस डेवलप्मेन्ट, इन्जीनियरिंग, फार्मासुटिकल, बायोकेमिकल एवं टक्निकल असिस्टेन्ट इत्यादि पदो हेतु साक्षात्कार लिया एवं साक्षात्कार उपरान्त कुल 1057 छात्र-छात्राओं को 1.3 लाख सालाना पैकेज से लेकर 3.6 लाख तक के सालाना पैकज पर चयन किया गया जिसमें 399 छात्रों का मुख्या रूप से चयनित किया एवं 658 छात्रों को अगले चरण के साक्षात्कार हेतु शार्टलिस्ट किया। रोजगार मेले का प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव डॉ0 अनिल कुमार यादव, सी0ए0 अर्जित गुप्ता (संयोजक) उमंग अग्रवाल, आई0एम0 रोहतगी एवं संजीव पाठक द्वारा किया गया।इस अवसर पर श्री विजय पांडेय एवं डॉ0 उमेश पालीवाल एल्यूमनाई एसोसिएशन ने कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक को बुके देकर स्वागत किया। रोजगार मेले में मुख्य रूप से डॉ0 प्रशान्त त्रिवेदी, सौरभ गुप्ता, सौरभ त्रिपाठी श्री अमित सोनकर, विशाल बाजपेई, शालिनी, सुनील द्विवेदी, मुकेश कुमार, सुनील दत्त तिवारी एल्यूमनाई एसोसिएशन सचिन दीक्षित, मुकेश अग्रवाल, अभिषेक राठौर, डॉ0 विवेक सचान आदि उपस्थित रहे।

# पशु एम्बुलेंस सेवा शुरू, बीडीओ ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

## 1962 पर कॉल करने पर आधे घंटे में घर पहुंचेगी एम्बुलेंस

**बीपीएस न्यूज**

घाटमपुर। भीतरगांव ब्लॉक में पशु एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत हुई है। यहां पर बीडीओ और पशु चिकित्साधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस को रवाना किया है। अब पशु पलकों के द्वारा 1962 पर कॉल करते ही आधे घंटे में एम्बुलेंस उनके घर पहुँच जाएगी और बीमार मवेशीओ का इलाज करेंगी। इसके लिए पशु पालक से पांच रूपये शुल्क लिया जायेगा।



आदमी बीमार होने पर अस्पताल पहुंच जाते हैं लेकिन यदि मवेशी बीमार हो जाए तो मालिक को उसे डॉक्टर को दिखाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। ऐसे में कई बार मवेशियों की मौत हो जाती थी। अब सरकार ने मवेशियों के लिए समय पर इलाज उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल वेटनरी यूनिट शुरू की है। इससे बीमार पशुओ का समय से उपचार कर उनकी जान बचाई जा सकेगी। भीतरगांव पशु चिकित्साधिकारी डॉ ओपी वर्मा और बीडीओ चद्रमणि ने ब्लॉक से हरी झंडी दिखाकर पशु एंबुलेंस को रवाना किया गया है। उन्होंने बताया की ब्लॉक में जहां से भी पशुओं के बीमार होने की सूचना मिलेगी, एंबुलेंस उस जगह पहुंचकर संबंधित मवेशी का इलाज करेगी। चलित पशु एम्बुलेंस बीमार गाय-भैंस, डॉग और अन्य मवेशियों के इलाज के लिए घर-घर पहुंचेगी। जिसके लिए सरकारी शुल्क 5 रूपये रखखा गया है। ताकि पशु पलकों पर भार ना पड़े।

**एक डॉक्टर और एक कंपांडर की एम्बुलेंस में तैनाती**

पशु एम्बुलेंस में एक डॉक्टर एक कंपाउंडर समेत ड्राइवर की तैनाती की गई है। पहले यह योजना एक अप्रैल से शुरू होनी थी, लेकिन किसी कारणवश शुरू नहीं हो पाई थी, जिसके बाद अब जाकर 14 मई को ग्रामीण क्षेत्रो में पशु एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत की गई है। मामले में पशुचिकित्साधिकारी ओपी वर्मा ने बताया की चलित एंबुलेंस सेवा से ग्रामीण क्षेत्र के पशुपालकों को काफी राहत मिलेगी। अब उन्हें अपने पशुओं के इलाज के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा।

# प्राधिकरण के पक्ष में दिया अहम फैसला

कानपुर। फ्लैट स्वामियों के पक्ष में आवंटित ओपन कार पार्किंग एरिया के मद में कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लिये जा रहे शुल्क को रेरा द्वारा सही ठहराया गया।

केडीए सिग्नेचर ग्रीन्स योजना के आवंटी द्वारा योजना में ओपन पार्किंग एरिया के मद में प्राधिकरण द्वारा मांगी गई धनराशि के विरूद्ध भू सम्पदा विनियामक, प्राधिकरण (यू0पी0 रेरा) के अध्यक्ष के समक्ष चुनौती दी गयी, जिसे अधिकरण के अध्यक्ष द्वारा खारिज करते हुए आदेश दिया गया कि प्राधिकरण को शिकायतकर्ता से ओपन पार्किंग एरिया के मद में मांगे गये शुल्क को प्राप्त करने का अधिकार है। केडीए द्वारा आवंटित कार पार्किंग के सम्बन्ध में मांगी गयी धनराशि शिकायतकर्ता द्वारा देय होगी। उल्लेखनीय है कि 90 प्रतिशत से अधिक आवंटियों द्वारा अपने पक्ष में आवंटित कार पार्किंग के मद में प्राधिकरण द्वारा मांगी गयी धनराशि को स्वीकारा/जमा किया जा चुका है। आवंटियों द्वारा आवंटित कार पार्किंग के मद में मांगी गयी धनराशि को चुनौती दी गयी थी। इस सम्बन्ध में व्याप्त भ्रम को रेरा के अध्यक्ष द्वारा दूर करते हुए यह स्पष्ट किया गया है कि केडीए की आवंटन पुस्तिका के अनुसार यदि किसी आवंटी/फ्लैट ओनर को ओपन कार पार्किंग आवंटित की जा रही है। इसके मद में केडीए को धनराशि प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार है। अध्यक्ष द्वारा रेरा अधिनियम- 2016 के प्राविधानों के सम्बन्ध में विभिन्न विधिक पहलुओं पर विचार करने के उपरान्त केडीए के पक्ष में विस्तृत फ़ैसला सुनाया गया।

# सामाजिक परिवर्तन में वकीलों की भूमिका बेहद अहम : महापौर

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। शनिवार को बार एसोसिएशन ने समारोह में महापौर प्रमिला पांडे समेत निकाय चुनाव में जीते अधिवक्ता पार्षदों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में बोलते हुए महापौर प्रमिला पांडे ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन में वकीलों की भूमिका आज बेहद अहम हो गई है। नवनिर्वाचित महापौर के मुताबिक वकील यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि समाज के सबसे कमजोर वर्गों को भी न्याय मिले और एक समतावादी समाज के विकास में मदद मिल सके। महापौर ने कहा भारत का इतिहास दर्शाता है कि कैसे वकीलों ने सामाजिक परिवर्तन में केंद्रीय भूमिका निभाई है। वकालत समाज की सेवा का एक साधन है और एक वकील से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने मुवक्किलों के हितों की रक्षा करे और यह सुनिश्चित करे कि न्याय दिया जाए..कानून का प्राथमिक उद्देश्य न्याय को सुरक्षित करना और बड़े पैमाने पर समाज के कल्याण को सुनिश्चित करना है। इस मौके पर महापौर ने कानपुर बार एसोसिएशन का धन्यवाद देते हुए कहा कि उनको हमेशा से अपने अधिवक्ता भाइयों का सहयोग मिलता रहा है। उन्हें पूरा भरोसा है कि दूसरे कार्यकाल में भी अधिवक्ता भाइयों का समर्थन यूं ही मिलता रहेगा।

महापौर ने कहा कि वह अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर हैं। सम्मान समारोह में कानपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश चंद्र त्रिपाठी महामंत्री अनुराग श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

# कृषि विज्ञान केंद्रों की हुई मासिक समीक्षा बैठक

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम आज निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केंद्र जमुनाबाद पर विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम केंद्र पर लगाई गई सभी प्रदर्शन इकाइयों का अवलोकन किया गया। तत्पश्चात समीक्षा बैठक प्रारंभ की गई। सर्वप्रथम केंद्र के अध्यक्ष डॉ एसके विश्वकर्मा ने निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात समीक्षा बैठक प्रारंभ की गई। प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव ने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के अध्यक्षों एवं संबंधित वैज्ञानिकों को सख्त निर्देश दिए कि खरीफ में केंद्र के प्रक्षेत्रों की बुवाई को सुनिश्चित किया जाए तथा किसानों के प्रक्षेत्रों पर कराए जाने वाले परीक्षण व प्रदर्शनों को समय से नवीन तकनीकों के साथ लगाया जाए।जिससे जनपद के किसानों के बीच तकनीकी का प्रचार-प्रसार बड़े क्षेत्रफल में प्रभावी ढंग से हो सके तथा जनपद की मुख्य फसलों की उत्पादकता को बढ़ाया जा सके। निदेशक प्रसार ने जोर देकर कहा कि केंद्रों पर चलने वाले फसल अवशेष प्रबंधन, निकरा, यस सी यस पी तथा आरकेबीवाई जैसी परियोजनाये केंद्र सरकार के द्वारा संचालित हैं। उनके कार्यों को समय से क्रियान्वित किया जाए। जिस का अवलोकन तथा मूल्यांकन समय-समय पर विश्वविद्यालय स्तर पर गठित टीम के द्वारा किया जाना है।इन सभी कार्यों में किसी भी प्रकार की अनियमितता के लिए संबंधित अध्यक्ष व वैज्ञानिक जिम्मेदार होंगे। बैठक में केंद्रों की साफ-सफाई तथा केंद्रों पर कृषि यंत्रों व स्थाई सामग्रियों की अद्यतन स्थिति 30 मई तक अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया है।समीक्षा बैठक के अंत में वैज्ञानिक डॉ. संजय सिंह बने आए हुए सभी अध्यक्षों व वैज्ञानिकों को धन्यवाद दिया।इस बैठक में डॉक्टर डर.ए.के. सिंह, डॉ जितेंद्र यादव, डॉक्टर एसएल वर्मा, डॉ आशा यादव, डॉ आशीष श्रीवास्तव एवं डॉ बीके कनौजिया सहित समस्त केंद्रों के अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

## यमुना नदी में डूबने से किशोर की मौत, मचा कोहराम

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र गांव बीरबल अकबरपुर निवासी गुलाब निषाद का 14 वर्षीय लड़का अभिषेक शुक्रवार यमुना नदी की ओर मवेशी चराने गया था तभी दोपहर दो बजे कड़ी गर्मी महसूस होने पर नदी में मवेशियों को पानी पिलाते समय किनारे खड़े अभिषेक का पैर फिसल गया और गहराई में जाने से डूब गया मवेशी चराने वाले अन्य साथियों ने अपने साथी को डूबते देख घबरा गए और आनन फानन दौड़ते हुए अभिषेक के नदी में डूबने की सूचना परिजनों को दी सूचना मिलते ही परिजन व ग्रामीण नदी पहुंच कर खोज बीन शुरू की मौके पर नदी में मौजूद मछुआरों ने नदी में जाल डालकर कड़ी मशक्कत से दो घंटे बाद अभिषेक को नदी के बाहर निकाला ज्यादा देर पानी में रुके रहने से अभिषेक की मौत हो गई थी। अभिषेक को मृत अवस्था में देख परिजनों में कोहराम मच गया।सजेती थानाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा भरकर शव को पीएम के लिए भेजा।

# महाअधिवेशन के द्वितीय दिन 6 कार्यशालाओं का हुआ आयोजन

कानपुर। डब्लू-डब्लू नेटकॉन महाअधिवेशन के दूसरे दिन 6 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस भव्य उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि सतीश महाना ने महाधिवेशन का उद्घाटन करते हुए कहा कि बदलाव एकीकरण, समानता और तकनीकी द्वारा नारी को स्वस्थ, सुखी एवं सशक्त बनाने का ज्ञवहे एवं थ्व्ळैप् का इस राष्टीय महाधिवेशन डब्लूडब्लू डांट कॉम 23 के द्वारा एक अत्यंत ही सराहनीय प्रयास है । आशा है इस सार्थक प्रयास द्वारा नई विधाओं तकनीकी, दवाइयों का उपयोग स्त्री उपचार में नए आयाम स्थापित करेगा एवं सरकार को भी नई नीतियां बनवाने में मार्गदर्शक का कार्य करेगा।

इस आयोजन में प्रसूति एवं स्त्री रोग से संबंधित हर विषय और हर आयाम पर विस्तार से चिंतन एवं प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण हुआ। इंडोस्कोपी वर्कशॉप में बुनियादी से उच्चतम तकनीक द्वारा दूरबीन से स्त्री रोग की शाल्य चिकित्सा बताया गया। डॉ प्रतिभा सिंह ने रोग ग्रस्त गर्भाशय को दूरबीन द्वारा निकालने की विधि बताइ जिसे डॉक्टर भास्कर पाल, डॉक्टर अमित टंडन एवं डॉक्टर सुनीता तंदुलवलकर ने किया। इसके साथ ही अल्ट्रासाउंड वर्कशाप में प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण द्वारा आयन डोनाल्ड सर्टिफिकेट प्रदान किया गया एवं बाहर से आए डॉ कुलदीप सिंह डॉ डॉक्टर पीके शाह, डॉ नरेंद्र मल्होत्रा डॉ पीके श्रीवास्तव आदि ने व्याख्यान दिए। इनफर्टिलिटी वर्कशॉप में नि:संतानता के उपचार नवीनतम तकनीक द्वारा पर डॉ रितु हॉ नीलम, डॉ आभा, डॉ कुलदीप डॉ सुनील जिंदल ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। पीपीएच वर्कशॉप में प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्त खाव से बचाव के समग्र उपाय बताए गए मातृ मृत्यु दर का सर्वाधिक बड़ा कारण रक्त खाब है जिस पर इस अति महत्वपूर्ण कार्यशाला में बाहर से आए विशेषज्ञों में डॉ पीसी महापात्र, डॉ सरोज सिंह, डॉ जायसवाल, डॉ रिचा आदि ने व्याख्यान दिए। इसी क्रम में मेडिको लीगल वर्कशॉप में डॉक्टरों एवं मरीजों के कानूनी अधिकार एवं सुरक्षा व संरक्षण पर गहन चिंतन एवं मंथन में शामिल रहे डॉ अजय माने, डॉक्टर लता, डॉक्टर जितेंद्र, डॉ एमसी पटेल रहे। इस अवसर पर डॉ कंचन शर्मा, डॉ कल्पना दीक्षित, डॉ किरण सिन्हा, डॉ नीलम मिश्रा डॉ नीना गुप्ता डॉ रेशमा निगम डॉ रेखा गुप्ता डॉ संगीता सारस्वत, डॉ मनीषा अग्रवाल डॉक्टर आरती सिंह, डॉ सपना सिंह, डॉ वंदना शर्मा की सक्रिय सहभागिता रही। डॉक्टर शैली अग्रवाल, डॉ संगीता आर्य डॉ पाविका डॉ प्रतिमा, डॉ गरिमा डॉ दिव्य डॉ सीमा द्विवेदी आदि मौजूद थे।

# अज्ञात वाहन की टक्कर से एक की मौत, तीन घायल

**बीपीएस न्यूज**

घाटमपुर। पतारा में अज्ञात वाहन की टक्कर ने बाइक सवार युवको को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर मौत हो गई। तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पतारा सीएचसी भेजा जहां से तीनों को प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल रिफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सजेती थाना क्षेत्र के बांध गांव निवासी हाल मुकाम कानपुर दलनपुर निवासी दुलीचंद्र ने बताया कि 25 वर्षीय बेटे अजय की शादी लगभग तीन वर्ष पूर्व पूजा के साथ हुई थी, जिसके एक वर्षीय एक लड़का ऋषि है। अजय मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था।

# बच्चों की श्वास संबंधी देखभाल में सुधार लाने के लिए जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। विश्व अस्थमा जागरूकता महीने (वर्ल्डअस्थमा अवेयरनेस मंथ) में सिप्ला ने 'टफीज़' नामक अपने सामान्य मरीज़ एवं सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत कीहै जिसका उद्देश्य बच्चों, विशेष रूप से जो अस्थमा जैसी बीमारी से पीड़ित हैं, परध्यान केंद्रित करते हुए श्वसन संबंधी देखभाल में सुधार लाने के लिए जागरूकताबढ़ाना है। एक व्यापक गैर-संक्रामक रोग अस्थमा बच्चों में सबसे सामान्य दीर्घकालिकस्वास्थ्य समस्या है जो करीब 7.9 प्रतिशत भारतीय बच्चों को प्रभावित करती है और अस्थमा से पीड़ित बच्चोंमें से 80 प्रतिशत को उनके जीवन के पहले छह वर्षों के दौरान हीइसके लक्षणों का अनुभव होने लगता है। इस रोग के बारे में अपर्याप्त जागरूकता और इसकेबुनियादी उपचार यानी इन्हेलेशन थेरेपी से जुड़ी हुईगलत धारणाएं और मिथकों के कारण अस्थमा के कई मामलों का निदान नहीं हो पाता और इसकाउपचार ही नहीं कराया जाता है। इन सबका नतीजा यह होता है कि अस्थमा नियंत्रण के बाहरहो जाता है और जीवन की गुणवत्ता पर बहुत खराब असर पड़ता है जिसमें शामिल हैअस्पताल में बार-बार भर्ती करने की आवश्यकता और स्कूल में अनुपस्थित रहने की नौबतआना। अस्थमा जैसे पुराने श्वसनसंबंधी रोगों और इसके उपचार से जुड़ी झूठी बातों और कलंक पर बात करने के लिए टफीज़ अभियान की शुरूआत की गई है जिसकालक्ष्य है 5 से 10 साल के बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों को आपस में जोड़ना।जबकि इस अभियान की शुरूआत कॉमिक किताब के साथ हुई है लेकिन कुछ समय बाद एकएनिमेटेड वीडियो सीरीज़ भी लाई जाएगी। 'टफीज़' जैसे अभियान के माध्यम से बच्चों सेजुड़े अस्थमा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर ज़ोर देते हुए डॉ. सुनील तनेजा, शिशु रोग विशेषज्ञ ने कहा, बच्चों में अस्थमा जैसी बीमारी काहोना बच्चे और उसके परिवार दोनों के लिए तकलीफदेह हो सकता है।

# किसानों को प्रशिक्षण के जरिए हरी खाद प्रयोग पर दिया बल

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेन्द्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र,दलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को प्रशिक्षण के माध्यम से हरी खाद प्रयोग पर बल दिया गया।यह प्रशिक्षण ग्राम बहालपुर विकास खंड मैथा में किया गया।इस अवसर पर उन्होंने कहा की किसान भाइयों को मृदा की उपजाऊ शक्ति बनाए रखने के लिए हरी खाद एक सबसे सस्ता विकल्प है। उन्होंने किसान भाइयों को हरी खाद बनाने के लिए अनुकूल फसलो के बारे में बताया कि ढैंचा, लोबिया, उड़द, मूंग, ग्वार, एवं बरसीम मुख्य फसलें हैं जो हरी खाद बनाने में प्रयोग की जाती हैं। डॉ खान ने बताया कि ढैंचा की मुख्य किस्में सस्बेनिया अजिप्टिका, सस्बेनिया रोस्ट्रेटा, सस्बेनिया अकुलेता अपने त्वरित खनिजिकरण पैटर्न, उच्च नाइट्रोजन मात्रा के कारण बाद में बोई गई मुख्य फसल की उत्पादकता पर उल्लेखनीय प्रभाव डालने में सक्षम है।हरी खाद बनाने की विधि के बारे मे उन्होंने किसान भाइयों को बताया कि माह मई में गेहूं की कटाई के बाद खेत की सिंचाई कर दें।खेत में खड़े पानी में 30 से 35 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से फैला दें। तथा जरूरत पड़ने पर 15 से 20 दिन में ढैंचा फसल की हल्की सिंचाई कर दें। इसके साथ ही 20 दिन की अवस्था पर 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से यूरिया को खेत में फैला देते हैं। जिससे जड़ ग्रंथियां बनने में सहायता मिलती है।ढैंचा की 40 से 45 दिन की अवस्था में हल चलाकर हरी खाद को खेत में मिला दिया जाता है।इस तरह लगभग 15 से 20 टन प्रति हेक्टेयर की दर से हरी खाद उपलब्ध हो जाती है।

इस अवसर पर पशु पालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत, वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, कृषि छात्र गौरव शुक्ला, प्रगति शील कृषक सुशील वर्मा, लाल सिंह, किशन लाल एवं जगदीश सहित एक सैकड़ा से अधिक किसान उपस्थित रहे।

## 26 मई को सीएम योगी करेंगे हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का उद्घाटन

कानपुर। कानपुर अब नई उड़ान भरने के लिए तैयार है। हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का उद्घाटन 26 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में किया जाएगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन को लेकर शुक्रवार को डीएम विशाख जी ने नए टर्मिनल का निरीक्षण कर तैयारियां परखी और निर्देश दिए।

# पानी के लिए मची त्राहि- त्राहि, पार्षद ने भिजवाया पानी का टैंकर

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। वार्ड -91 शास्त्री नगर के कई ब्लाको में नलो से पानी नही आ रहा है जिसको लेकर क्षेत्रीय लोग काफी परेशान और बेहाल है। नवनियुक्त पार्षद द्वारा एक पानी का टैंकर मंगवा कर कुछ राहत पहुंचायी गई, लेकिन हालात अब और बिगड रहे है। पानी की समस्या को लेकर क्षेत्रीय लोगो ने जलसंस्थान को शिकायती पत्र देकर पानी की समस्या के बारे में अवगत कराया, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। वार्ड-91 शास्त्री नगर के ब्लाक 351 से लेकर 414 तक में बीते एक सप्ताह से ज्ल्यादा समय से घरो में पानी की सप्लाई पूरी तरह से ठप है। पानी न आने से गर्मी में लोगो की हालत बहुत ही ज्यादा खराब हो रही है। 400 से 500 मीटर की दूरी से बुर्जुगो और बच्चो को पानी लाना पड रहा है। इस तपिस भरी गर्मी में जहां लोग घरो में दुबके रहते है वहीं घरो के नलो में पानी के न आने से लोगो की समस्या बढ़ गई है। वार्ड 91 के नवनियुक्त पार्षद विनोद गुप्ता ने क्षेत्रीय लोगो की समस्या को देखते हुए एक पानी का टैंकर क्षेत्रीय नागरिको के लिए भिजवाया, लेकिन वह भी 150 से 200 की आबदी में पूरा नही पड रहा है। वहीं अधिकारियों ने पानी की समस्या को जल्द ठीक कराने की बात कह रहे है जबकि किसी के भी घरो में पानी नही आ रहा है। क्षेत्रीय नागरिक सनी श्रीवास्तव ने बताया कि जलसंस्थान के अधिकारी कोई कार्यवाही नही कर रहे है इधर क्षेत्रीय जनता पानी की समस्या से कराह रही है ,लेकिन खानापूर्ती कर सभी अपना पल्ला झाड रहे है। वही जलसंस्थान के जेई का कहना है कि पानी की समस्या को दूर किया जा रहा है जल्द ही पानी घरो में आने लगेगा।

# जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन राजमार्ग से संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा जनपद कानपुर नगर के एनएच-91 में कराए जा रहे कार्यों की प्रगति के संबंध में निर्माणाधीन मार्ग का निरीक्षण किया गया। जनपद में राष्ट्रीय राजमार्ग सं0 91 का चौड़ीकरण करते हुए नवीन मार्ग का निर्माण आई0आई0टी0, कानपुर नगर से गांगूपुर, बिल्हौर कानपुर नगर तक किया जा रहा है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 60 कि0मी0 है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्माणाधीन राजमार्ग से संबंधित अधिकारियों को निम्नलिखित निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान आई0आई0टी0 गेट से मंधना की ओर लगभग 03 कि0मी0 के खंड में निर्माण कार्य की प्रगति अत्यधिक धीमी गति से पाए जाने पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक को निर्देशित किया गया कि उक्त खंड में पर्याप्त संख्या में मानव संसाधन/मशीनरी आदि लगाकर निर्माण कार्य को युद्ध स्तर पर कराया जाए। परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यह सुनिश्चित करें कि मंधना के पास अवस्थित हाईटेंशन लाइन का यू0पी0पी0टी0सी0एल0 के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र हाईटेंशन लाइन का विस्थापन का कार्य कराया जाए। कार्यदायी संस्था पी0एन0सी0, बिठूर, कानपुर हाइवे प्रा0लि0 के प्रतिनिधि यह सुनिश्चित करें कि आवासीय आबादी एवं आद्योगिक इकाइयों के खंड में स्थित सभी बाईपासों एवं मार्ग सेक्सन को मानसून से पहले पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी अपर जिलाधिकारी (भू0अध्या0) सूरज कुमार यादव, परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण प्रशांत दुबे, परामर्शदाता, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सतेन्द्र कुमार सिंह एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर गाँव वासियों की सुनी समस्याएं

कानपुर। सभी संबंधित विभागों के अधिकारी तहसील समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराएं। समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए 5 प्रकरणों में आज ही समाधान दिवस के पश्चात मौके पर अलग अगल राजस्व की टीमों को भेजा गया। जिलाधिकारी विशाख जी0 की अध्यक्षता में बिल्हौर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गई। जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण समाधान करना शासन की मूल प्राथमिकता है, जिसके आधार पर प्राप्त समस्त प्रकार की शिकायतों का समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बिल्हौर रश्मि लम्बा, मुख्य चिकित्साधिकरी डा0 आलोक रंजन, तहसीलदार बिल्हौर समेत अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# नगर आयुक्त ने चकेरी एयरपोर्ट के पास बनाए जा रहे नाले का किया निरीक्षण

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। नगर निगम के नगर आयुक्त शिव शरणप्पा जीएन द्वारा शुक्रवार को जोन 2 के अंतर्गत छोटे बड़े नाले एवं नवनिर्मित चकेरी एयरपोर्ट के पास नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे नाले का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान एयरपोर्ट की बाउंड्री के पीछे एसटीपी से शेखपुर होते हुए रूमा तक जा रहे नाले के संबंध में एयरपोर्ट क्षेत्र में प्रदूषण के बचाव हेतु एयरपोर्ट के 500 मीटर के भाग को ढकने का कार्य पूर्व में मंडलायुक्त एवं नगर आयुक्त निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों के क्रम नगर निगम द्वारा निर्मित किया गया है। एयरपोर्ट के बरसाती पानी की निकासी हेतु एक एक्काडक का निर्माण भी नगर निगम द्वारा कराया जा चुका है, इसके निर्मित होने के उपरांत एयरपोर्ट पर बरसाती पानी का जमा नहीं रहेगा।इसके अतिरिक्त एयरपोर्ट में फायर विकेट की गाड़ियों को निकालने के लिए आपातकाल गेट के पास नाले के ऊपर रैंप बनाते हुए खेतों की तरफ मार्ग भी नगर निगम द्वारा बनाया गया है। जोन-2 में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत गांधीनगर में नालों की सफाई का निरीक्षण किया गया। जोनल स्वच्छता अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जोन-2 में स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत 272 में से 25 साफ हो चुके है, 30 नाले प्रगति पर है। गाँधीग्राम वार्ड के अन्तर्गत प्रकाश पेन स्टोर से तेल मिलकर 320 नाला की सफाई का कार्य मौके पर प्रगति पर पाया गया। यहाँ पर नाली से सिल्ट के स्थान पर गोबर की मात्रा अधिक पायी गयी । इस पर नगर आयुक्त ने निर्देश दिये कि यहाँ पर गोबर जहाँ से नाले में आ रहा है, उसका चालान किया जाये तथा मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को अवगत कराते हुए वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। । साथ ही जोनल स्वच्छता अधिकारी को कारी में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि नाली सफाई के अंतर्गत जहां भी अतिक्रमण हो, उसे तत्काल हटाते हुए ही नाली की तली झाड़ सफाई की जाए।निरीक्षण के दौरान एयरपोर्ट के महाप्रबंधक शिवा राजू, मुख्य अभियंता नगर निगम, जोनल अभियंता, जोनल अधिकारी एवं जोनल स्वच्छता अधिकारी उपस्थित रहे।

# तीन दिवसीय स्वस्थ नारी, सुखी नारी का राज्यमंत्री ने किया शुभारंभ

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। शुक्रवार को एफओजीएसआई की राष्ट्रीय काफ्रेंस का डब्लूडब्लू नाटकॉम प्रारंभ हुयी। 19 से 21मई तक चलने वाली काफ्रेंस में मेडिकल एजूकेशन कमेटी एवं ववव के तत्वाधान में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के विद्यार्थियों को स्त्री स्वास्थ्य, गर्भावस्था, मातृत्व एवं नवजात शिशु की देखभाल से संबंधित जानकारियां दी गयी। इस वर्कशाप में विषयों पर नगर के प्रतिष्ठित संस्थानों के नर्सिंग/पैरामेडिकल के 561 विद्यार्थियों को व्याख्यान के माध्यम से महत्वपूर्ण बाते बतायी गयी।

उद्घाटन कार्यक्रम सांय जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सभागार में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रतिभा शुक्ला, राज्यमंत्री महिला कल्याण एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार, डा0 नंदिता पलशेठकर, पूर्व अध्यक्ष, फोगसी, आर्गेनाइजिंग चेयर्सन डॉ0 मीरा अग्निहोत्री, आर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ0 कंचन शर्मा, डॉ0 किरन पाण्डेय, डॉ0 कल्पना दीक्षित, डा0 किरन सिन्हा, डा0 अनिल कुमार वर्मा, डा0 विनीता अवस्थी, डा0 संगीता आर्या एवं डा0 शैली अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ। मुख्य अतिथि प्रतिभा शुक्ला ने विद्यार्थी सशक्तीकरण, विकास एवं नारी सशक्तीकरण पर विचार प्रस्तुत करते हुये सभी को विद्यार्थियों में हुनर पैदा करने हेतु प्रेरित किया।

सांय 6 से 8 बजे तक नमामि गंगे कार्यक्रम बोट क्लब, कानपुर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में निर्मल गंगा, बेटी पढ़ाओं, बेटी बचाओं एनीमिया मुक्त भारत की शपथ ली गयी।

## एक महीने का जागरूकता अभियान चलाएगी भाजपा कार्यसमिति की बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने की निकाय चुनाव की समीक्षा

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। शुक्रवार को भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र की कार्यसमिति का शुभारम्भ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। साकेत नगर स्थित एक होटल में कार्यसमिति की बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सभी का अनौपचारिक परिचय लिया। इसके साथ ही क्षेत्र के निकाय चुनाव नतीजों पर चर्चा की। चर्चा में तय हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यकाल के 9 साल पूरे होने पर संगठन एक महीने का जागरूकता अभियान चलाएगा। इसमें प्रधानमंत्री की उपलब्धियों और उनकी कार्य योजनाओं को जनता के बीच कार्यकर्ता ले जाएंगे। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, प्रियंका रावत, विधायक सलिल विश्नोई, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान समेत सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यसमिति तीन सत्रों में शाम तक चली। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव में सभी को एकजुट होकर लग जाने का संकल्प कराया गया।

# लुटेरों ने प्राइवेट कर्मी को बंधक बना तमंचे की बट से सिर फोड़ा, बाइक और कैश लेकर हुए फरार

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। महाराजपुर में गुरुवार देर रात रेलवे स्टेशन सरसौल-हाथीगांव मार्ग पर बाइक सवार लुटेरों ने पेप्सी कंपनी में कार्यरत बाइक सवार युवक को डंडा मारकर गिरा दिया। तमंचे की बट से सिर फोड़कर लहूलुहान कर दिया। सड़क से घसीटकर खेतों में ले जाकर बंधक बनाकर फेंक दिया और बाइक, मोबाइल, पेप्सी कंपनी की डिवाइस व लगभग बीस हजार की नकदी लेकर फरार हो गए। उधर से गुजर रहे किसान ने युवक के कराहने की आवाज सुन बंधनमुक्त कराया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित से घटना की जानकारी ली। लूट का मुकदमा दर्ज कर पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही है। पीड़ित घटना के बाद से सहमा हुआ है। एसीपी चकेरी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित से घटना की जानकारी ली। महाराजपुर के हाथीगांव निवासी किसान विमल तिवारी का बेटा अर्पित (25) रेलबाजार स्थित पेप्सी कंपनी में फील्ड मैनेजर है। अर्पित गुरुवार रात बाइक से शहर से घर लौट रहा था। रेलवे स्टेशन सरसौल से हाथीगांव जाने वाले रास्ते में गत्ता फैक्ट्री से 200 मीटर आगे पीछे से आए बाइक सवार युवकों ने डंडा मारकर अर्पित को गिरा दिया।अर्पित के गिरते ही लुटेरे लात - घूसों से उसको पीटने लगे।अर्पित ने विरोध किया तो सिर पर तमंचे की बट मारकर लहूलुहान कर दिया।घायल अर्पित को बदमाश घसीटते हुए सड़क से हटकर खेतों में ले गए।कपड़े से मुंह व हाथ, पैर बांधकर सुनसान जगह पर फेंक दिया।मोबाइल, लगभग 20 हजार नकद , बाइक व बैग लेकर लुटेरे फरार हो गए। देर रात खेत से निकल रहे किसान ने अर्पित को कराहते देखा तो बंधन मुक्त कराया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने लहूलुहान अर्पित को सीएचसी सरसौल भेजा।वहां से एलएलआर अस्पताल (हैलट) रेफर कर दिया गया।

# नगर निगम करेगा ट्रिपल आर की स्थापना, रिसाइकिल प्लास्टिक से बनेंगे प्रोडक्ट

## प्रयोग किए गए वेस्टेज से निगम बनाएगा नया प्रोडक्ट, कानपुर को प्लास्टिक मुक्त बनाना हमारा उद्देश्य: नगर आयुक्त

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। भारत सरकार के आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय अभियान मेरी लाइफ मेरा स्वच्छ शहर का शुभारंभ सभी राज्यों केंद्र शासित प्रदेशों में किया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत 15 मई से 5 जून 2023 तक निकाय के प्रत्येक वार्ड में रिड्यूस, रीयूज एंड रीसाइकिल के 20 सेंटर की स्थापना की जाएगी। स्थापना के दौरान नागरिकों द्वारा प्रयोग हुई प्लास्टिक की वस्तुएं, पुरानी किताबें ,प्रयोग किए गए कपड़े और जूते इत्यागी को लेकर रिसाइकल कर नए उत्पादों में फिर से नवीनीकृत कर उन्हें उपयोग हेतु बनाया जाएगा। इस मिशन को लेकर नगर आयुक्त व नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने नगर निगम सभागार के एक प्रेसवार्ता कर जानकारी दी।

पत्रकार वार्ता के दौरान कानपुर नगर निगम के नगर आयुक्त शिवशनरप्पा जी एन बताया कि कानपुर नगर के 6 जोनों में 20 ट्रिपल आर केंद्र का शुभारंभ 20 मई को ऐलन यूनिवर्सिटी के कैंपस में आयोजित किया जाएगा, जिसमें नगर स्वास्थ्य अधिकारी अमित सिंह गौर तथा फैकल्टी एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान नगर आयुक्त कहा कि इस मिशन में नागरिकों की भागीदारी और भूमिका बहुत महत्व होगी। उन्होंने कहा कि हमारे प्रयासों की सफलता समुदाय की सक्रिय भागीदारी में निहित है। 3 सप्ताह का अभियान स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के वेस्ट को रिड्यूस रीयूज और कचरे को रिसाइकल करने के संकल्प को मजबूत करेगा इसके साथ ही पर्यावरण के लिए लाइफ मिशन के उद्देश्य के साथ आगे भी आएगा। इसी क्रम में अपर नगर आयुक्त श्रीमती रोली गुप्ता ने बताया कि मेरी लाइफ मेरा स्ट्रक्चर कानपुर नगर की स्वच्छता के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है इसमें पुराने कपड़े, जूते, किताबें ,खिलौने ,प्लास्टिक व इलेक्ट्रॉनिक सामान शहर वासियों के द्वारा उपयोग किए गए है उन्हें केकर उसके बदले में उन्हें प्रोडक्ट वापस किया जाएगा। अपर नगर आयुक्त ने बताया कि स्वच्छता में कानपुर को नंबर वन बनाने के लिए लगातार निगम प्रशासन अलग-अलग प्रकल्प के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दे रहा है। इसी कड़ी में कानपुर नगर निगम द्वारा विस्तार केंद्रों का उदघाटन नगर आयुक्त के द्वारा 20 मई को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए कानपुर नगर निगम द्वारा टोल फ्री नंबर 9651311113 भी उपलब्ध कराया गया है जो अपने क्षेत्र से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमित सिंह ने कहा कि आने वाले दिनों में भी देखने को मिलेगा।

### महिलाओं ने वटवृक्ष की पूजा कर पति की दीर्घायु मांगी

कानपुर। वट सावित्री व्रत के अवसर पर बरगद वृक्ष की परिक्रमा कर कलावा बांधकर महिलाओं ने की पूजा अर्चना की, ईश्वर से मांगा पतियों के लिए स्वस्थ जीवन लंबी आयु, इस दौरान बरगद वृक्ष पूजा स्थलों के आसपास प्रशासन ने की थी सुरक्षा व्यवस्था, वट सावित्री व्रत सुहागिन महिलाओ ने अपने पतियों की दीर्घायु के लिए पूजा कर मांगी लंबी आयु , ऐतिहासिक कथा प्रचलित है सावित्री ने सत्यवान के प्राण यमराज से वापस ले लिए थे, इसी क्रम में भारतीय नारियां अपने पतिदेव की स्वास्थ्य जीवन सुरक्षा हेतु और भगवान से सती सावित्री जैसा अखंड सौभाग्य प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करती हैं। ज्येष्ठ मास की अमावस्या को पूरे भारत में जगह-जगह यह बरगदाही व्रत हर्षोल्लास के साथ भारतीय महिलाओं द्वारा किया जा रहा है ऐसा माना जाता है कि वटवृक्ष की जड़ों में ब्रह्मा जी तना में भगवान विष्णु, और डालियों में भगवान शिव निवास करते हैं।

# जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों प्रगति पर की समीक्षा बैठक

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति के संबंध में मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान निर्माणाधीन सड़क, भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों से संबंधित विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के द्वारा समस्त कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि नवीन कार्य हेतु टेन्डर की प्रक्रिया पूर्ण कराते हुए कार्य शीघ्र प्रारंभ कराना सुनिश्चित किया जाए।जिन कार्यदायी संस्थाओं द्वारा निर्माण कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है उनके हस्तांतरण की कार्यवाही पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। न्यायालय भवन के आधार तल में कार पार्किंग एवं रैम्प निर्माण कार्य धीमी गति से चलने के कारण परियोजना प्रबंधक, उप्र राजकीय निर्माण निगम लि., ईकाई-1, को कड़े निर्देश दिए गए कि कार्य को प्रत्येक दशा में माह मई में ही पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए।राष्ट्रीय कृषि विकास योजनांतर्गत जनपद के राजकीय पौधशाला, बिधनू में पम्प हाउस, बाउंड्रीवाल, सिंचाई, नाली, इंटरलॉकिंग पाथवे कार्य धीमी गति से चलने के कारण कार्यदायी संस्था यूपी सीएनडीएस के अधिशासी अभियंता एवं जिला उद्यान अधिकारी का स्पष्टीकरण प्राप्त कर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी द्वारा जिलाधिकारी को प्रस्तुत किया जाए। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी चित्रा दुबे, जिला पंचायती राज अधिकारी कमल किशोर, परियोजना निदेशक, डूडा एवं अन्य निर्माण कार्यों से संबंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## चुनाव आयोग से लगाई विधायक ने चुनाव प्रक्रिया जांच की मांग

कानपुर। आर्य नगर विधानसभा क्षेत्र विधायक अमिताभ ने बताया कि कहने से कोई फायदा तो नहीं है पर कहे बगैर दिल भी नहीं मानता परिणाम बदलेगा नहीं पर जनता के दिल की बात हम नहीं कहेंगे, तो कौन कहेगा? जनता ने वोटों से अपार समर्थन दिया पर मशीन, मशीनरी, मैनेजमेंट ने साजिशन चुनाव हराया, मौजूदा महापौर की लोकप्रियता बढ़ने का कौन सा कारण मौजूद था? मशीन, मशीनरी, मैनेजमेंट से हुई जनता की वोटों की लूट, विधायक अमिताभ बाजपेई ने चुनाव आयोग से की पूरी प्रक्रिया की न्यायिक जांच कराने की मांग।

# सेना ने गंगा अविरल धारा को बनाए रखने के लिए छात्र छात्राओं को दिलाया संकल्प

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। भारतीय सेना की 137 सी ई टी एफ टी ए बटालियन 39 गोरखा राइफल गंगा टास्क फोर्स ने गंगा किनारे स्थित धोरी घाट पर गंगा स्वच्छता अभियान चलाया इस मौके पर मुख्य अतिथि शीतेश मिश्रा ग्राम प्रधान ऐमा, नेहरू युवा केंद्र से रमाशंकर तिवारी एमडीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय ऐमा के छात्र-छात्राएं तथा ग्राम के समस्त ग्राम वासियों को गंगा किनारे स्थित धोरी घाट में एकत्रित करके सूबेदार समरजीत सिंह ने गंगा स्वच्छता बनाए रखने के बारे में संबोधित किया निर्मल धारा अविरल धारा को बनाए रखने के लिए सभी ग्राम वासियों बच्चों को संकल्प दिलाया गंगा टास्क फोर्स के कमान अधिकारी कर्नल वेद व्रत वैद्य और कानपुर स्थित कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल अनूप कुमार ओझा के दिशा निर्देश पर विगत 4 सालों से गंगा स्वच्छता अभियान, पौधा रोपण, घाट पेट्रोल, जारुकता अभियान निरंतर कर रही है।

# 2000 का नोट बन्द करना अच्छा कदम

**राजीव सिंह**
को फाउंडर, केश्री वेल्थ क्यूरेटर

कानपुर। नोट के बदले वोट का सिंबल बन चुके 2000 के नोट को बंद कर आरबीआई ने अच्छा काम किया है। एजेंसियों को ऐसे इनपुट मिल रहे थे कि 2000 के नोट का इस्तेमाल चुनाव जीतने के लिए गलत तरीके से किया जा रहा था। एक अनुमान के मुताबिक इसका सबसे ज्यादा इस्तेमाल हाल ही में संपन्न हुए कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में किया गया है। ऐसी भी आशंका जताई जा रही थी कि 2024 के आम चुनाव में 2000 के नोटों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाला था।

2000 का नोट बंद होने से लंबी अवधि में शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश को बल मिलेगा। लेकिन लघु से मध्यम अवधि में रियल इस्टेट कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिल सकती है।

# लायन्स क्लब ने फोटो स्लिट लैम्प एवं एप्लेनेशन टोनोमीटर का किया दान

कानपुर। नेत्र विभाग जी0एस0वी0एम0 मेडिकल कालेज कानपुर में लॉयनस क्लब, नेत्र निधि के सौजन्य से फोटो स्लिट लैम्प एवं एप्लेनेशन टोनोमीटर का दान दिया गया है। जिसका लोकापर्णन ट्रुट्ठ प्रधानाचार्य डा0 (प्रो0) संजय काला एवं लॉयन प्रेम चन्द्र गुप्ता के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा0 शालिनी मोहन ने धन्यवाद देते हुए लॉयन महेन्द्र मोहन लॉयन्स क्लब की नेत्र निधि के सभी सदस्यों मुख्यत: लॉयन प्रेम चन्द्र गुप्ता, लॉयन चित्रा दयाल , लॉयन डा0 मघु भार्गव का आभार व्यक्त किया जिन्होनें इतनी आवश्यक मशीनों का दान नेत्र विभाग को दिया है। इस दौरान प्राचार्य डा0 संजय काला ने कहा कि बड़ी संख्या में मरीजों को लाभान्वित करने हेतु मशीनों का दान बहुत ही सराहनीय कार्य है। अन्य लॉयन सदस्यो में पी0डी0जे0 लॉयन, गोपाल तुल्सचान, डी0जे0 ज्ञान चद्व प्रकाश गुप्ता , टीकम चन्द्र सेठिया, उपप्रधानाचार्य डा0 रिचा गिरी, प्रमुख अधिक्षक डा0 आर0के0 सिंह, डा0 परवेज खान, डा0 सुरभी अग्रवाल एवं रेजीडेण्ट इत्यादि रहे।

**राजीव गांधी की शहादत-काली आंधी (21 मई 1991- रात मंगलवार-हत्या 10: 15 बजे**

## तू मेरे गगन का सूरज, तू मेरे वतन का तारा, चलना है वहां से आगे जहां रूकी तेरी जीवनधारा

# राजीव गांधी हत्याकांड में 6 दोषियों का क्या था रोल, अभी कहां हैं?

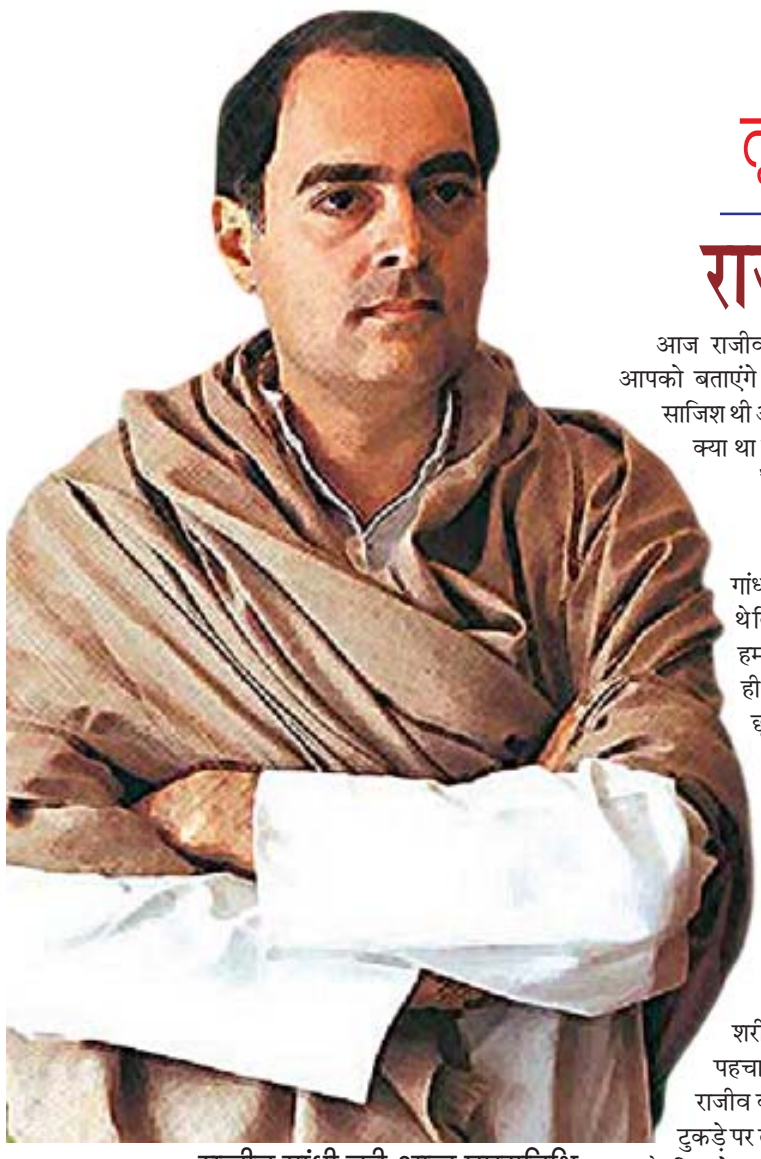

राजीव गांधी की आज पुण्यतिथि है। राजीव गांधी पर उग्रवादी संगठन लिट्टे ने आत्मघाती हमला करवाया था और इस हमले में उनके शरीर के चिथड़े उड़ गए थे। हत्याकांड में छह लोगों को सजा हुई थी। आज ही के दिन यानी 21 मई, 1991 को देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। राजीव गांधी पर उग्रवादी संगठन लिट्टे ने आत्मघाती हमला करवाया था और बम विस्फोट से उनका शरीर क्षत-विक्षत हो गया था।

आज राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर हम आपको बताएंगे कि उनकी हत्या के पीछे क्या साजिश थी और मामले के 6 दोषियों का इसमें क्या था रोल और वे सभी अभी कहां हैं।

**रैली में जोरधार धमाका और राजीव की हत्या**

तमिलनाडु के श्रीपेरंबदुर में राजीव गांधी एक चुनावी रैली में हिस्सा ले रहे थे कि तभी धनु नाम की एक आत्मघाती हमलावर स्टेज पर चढ़ती है और जैसे ही वो राजीव को हार पहनाकर पैर छूने को झुकती है जोरदार धमाका होता है। धमाके की गूंज से हर कोई सन्न रह जाता है, घटना में 16 लोगों की मौके पर ही मौत हो जाती है और 45 लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं।

**जूते और घड़ी से हुई शरीर के टुकड़ों की पहचान**

धमाके के बाद राजीव गांधी के शरीर के इतने टुकड़े होते हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। राजीव के शव की पहचान उनके हाथ के टुकड़े पर लगी घड़ी और पैर के जूते से हुई। उनके सिर से मगज तक बाहर आ गया था, कुछ हिस्सों के तो चिथड़े उड़ गए थे।

**लिट्टे था साजिशकर्ता**-लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) ने ही राजीव गांधी की हत्या की साजिश रची थी। दरअसल, लिट्टे श्रीलंका का उग्रवादी संगठन था और उसपर लगाम लगाने के लिए राजीव ने भारतीय सेना तक भेजी थी। राजीव के इस फैसले से लिट्टे काफी नाराज था और इसी कारण उसने इस हत्याकांड को अंजाम दिया। मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया था और मुख्य अभियुक्त शिवरासन और उसके सहयोगियों ने पहले ही साइनाइड खाकर जान दे दी थी।

**26 आरोपियों को मिली थी मौत की सजा**

राजीव हत्याकांड में शामिल 26 लोगों को 1998 में टाडा कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी। हालांकि, इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला पटलते हुए 19 लोगों को बरी कर दिया था और केवल 7 दोषियों की सजा बरकरार रखी थी। इसके बाद इन 7 दोषियों की सजा को उम्रकैद में बदल दिया गया था।

**हत्याकांड में इन लोगों की थी मुख्य भूमिका**

**मुरुगन और नलिनि**

मुरुगन को लिट्टे ग्रुप का मुख्य ट्रेनर माना जाता है, जो श्रीलंका के जाफना से आया था। मुरुगन ने अपनी पत्नी नलिनि को भी राजीव की हत्या की साजिश में हिस्सा बनाया था। नलिनि चेन्नई में एक प्राइवेट कंपनी में काम करती थी, वहीं से वो लिट्टे के संपर्क में आई और उसकी मुख्य कैडर तक बन गई।

राजीव गांधी की हत्या में आत्मघाती हमलावर धनु और कई और साथियों का ब्रेनवॉश करने का आरोप भी नलिनि पर था। 1999 में मुरुगन और नलिनि को फांसी की सजा मिली थी, लेकिन प्रेगनेंट होने के चलते उसकी सजा को उम्रकैद में बदल दिया गया था। नलिनि को एक बेटी हुई थी और वो अनाथ न हो जाए इसके लिए सोनिया गांधी ने उन्हें माफ करते हुए उसकी सजा को बदलने के लिए राष्ट्रपति से गुहार लगाई थी।

**एजी पेरारिवलन**-एजी पेरारिवलन भी राजीव हत्याकांड में शामिल माना गया था और उसे फांसी की सजा हुई थी, जिसे बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 18 फरवरी 2014 को उम्रकैद में बदल दिया था। पेरारिवलन को सुप्रीम कोर्ट ने इसके बाद रिहा भी कर दिया था। एजी पेरारिवलन का हत्याकांड में नाम तो आया था, लेकिन वो काफी मेधावी भी था। उसने इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग डिप्लोमा किया था। उसने जेल से ही कंप्यूटर एप्लीकेशन में ग्रेजुएशन की और 90 फीसद तक अंक लाए।

**संतन**-संतन हमलावर दस्ते का एक प्रमुख सदस्य था। राजीव गांधी की हत्या के समय वो कांग्रेस कार्यकर्ता बनकर छिपा था। सुप्रीम कोर्ट ने उसे भी फांसी की सजा सुनाई थी, जिसे बाद में उम्रकैद में बदल दिया गया। हालांकि, अब संतन रिहा हो चुका है, लेकिन कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि उसकी भी इस हत्याकांड में सक्रिय भूमिका रही थी।

**पी रविचंद्रन**-रविचंद्रन लिट्टे का प्रमुख कमांडर था और उसे ट्रेनिंग देकर भारत भेजा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद की सजा देने के बाद इसे भी रिहा कर दिया है।

जयकुमार और रॉबर्ट पयास

ये दोनों भी लिट्टे के सदस्य थे, जिन्हें हत्याकांड में मदद करने के लिए भारत भेजा गया था। इन दोनों ने हत्याकांड को पूरा शामिल लोगों की सुरक्षित जगह का इंतजाम करने का काम दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इनकी मौत की सजा को भी उम्रकैद में बदलने के बाद आखिर में रिहा कर दिया था।

सभी दोषी हुए रिहा

सुप्रीम कोर्ट ने राजीव हत्याकांड के सभी 6 दोषियों को रिहा कर दिया है। बता दें कि पेरारिवलन ने सुप्रीम कोर्ट में रिहाई की अपील की थी, जिसे कोर्ट ने अनुच्छेद 142 का हवाला देते हुए बरी कर दिया था। अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट के पास विशेषाधिकार होता है। इसके बाद मुख्य साजिशकर्ता नलिनि समेत सभी 6 दोषियों ने 31 साल की जेल काटने के बाद रिहाई की अपील की, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आखिरकार 11 नवंबर 2022 को बरी कर दिया।

# राजीव गांधी की राजनीति में नहीं थी रुचि, पायलट से पीएम बनने तक ऐसा रहा सफर

21 मई 1991... यह वह दिन है जब दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री की एक चुनावी रैली के दौरान एक आत्मघाती हमले में हत्या कर दी जाती है। वह प्रधानमंत्री कोई और नहीं, राजीव गांधी थे। आज उनकी पुण्यतिथि है। इस मौके पर उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ पहलुओं से आपको रूबरू कराते हैं...

**20 अगस्त 1944 को हुआ जन्म**

राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को बंबई (अब मुंबई) में हुआ था।

जब देश को आजादी मिली, उस समय वे महज तीन साल के थे।

उनकी मां का नाम इंदिरा गांधी और पिता का नाम फिरोज गांधी था।

उनके दादा पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के प्रथम प्रधानमंत्री थे।

उनके पिता भी सांसद थे।

हर साल 20 अगस्त को मनाया जाता है सद्भावना दिवस

हर साल 20 अगस्त को राजीव गांधी के जन्मदिन को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन कांग्रेस देशभर में विशेष आयोजन करती है। पार्टी कार्यकर्ता और नेता राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देते हैं और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते है। इस दिन उनकी समाधि स्थल वीरभूमि पर उनका पूरा परिवार, करीबी मित्र , रिश्तेदार और कांग्रेस के प्रमुख नेता इकट्ठा होते हैं। इसके अलावा, दूसरी पार्टियों के नेता भी उन्हें श्रद्धांजलि देने वीरभूमि जाते हैं।

**दून स्कूल से हुई पढ़ाई**

राजीव गांधी का बचपन अपने दादा के साथ नई दिल्ली के तीन मूर्ति हाउस मे बीता।

शुरुआत में उन्हें पढ़ने के लिए देहरादून के वेल्हम स्कूल भेजा गया, लेकिन जल्द ही यहां से उन्हें आवासीय दून स्कूल में भेज दिया गया।

उनके छोटे भाई संजय गांधी को भी इसी स्कूल में पढ़ने के लिए भेजा गया।

स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद राजीव गांधी लंदन के कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के ट्रिनिटी कॉलेज गए, लेकिन यहां उनका मन नहीं लगा।

इसके बाद वे इंपीरियल कालेज गए, जहां से उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की।

कैंब्रिज के दौरान ही उनकी मुलाकात इटली की रहने वाली सोनिया मैनो से हुई थी, जो वहां अंग्रेजी की पढ़ाई कर रही थीं।

राजीव और सोनिया ने 1968 में नई दिल्ली में शादी कर ली।

**राजनीति नहीं, संगीत में थी रुचि**

राजीव गांधी की राजनीति में कोई रुचि नहीं थी। उनकी रुचि संगीत में थी। उन्हें शास्त्रीय संगीत और आधुनिक संगीत दोनों पसंद था। इसके अलावा, फोटोग्राफी, रेडियो सुनने और विमान उड़ाने का भी उन्हें शौक था। उन्होंने दिल्ली फ्लाइंग क्लब की प्रवेश परीक्षा पास कर वाणिज्यिक पायलट का लाइसेंस प्राप्त किया, जिसके बाद वे जल्द ही इंडियन एयरलाइंस के पायलट बन गए।

**एक दुर्घटना ने बदली जिंदगी**

1980 में एक विमान दुर्घटना में अपने भाई संजय गांधी की मौत के बाद राजीव गांधी ने न चाहते हुए भी राजनीति में प्रवेश किया। उन्होंने भाई की सीट अमेठी पर हुए संसदीय उपचुनाव में जीत हासिल की और सांसद बने। 31 अक्टूबर 1984 को अपनी मां इंदिरा गांधी की हत्या के बाद वे कांग्रेस अध्यक्ष और फिर देश के प्रधानमंत्री बने।

भारत में सूचना क्रांति का जनक किसे माना जाता है?

राजीव गांधी को भारत में सूचना क्रांति का जनक माना जाता है।

उन्हें देश में कम्प्यूटराइजेशन और टेलीकम्युनिकेशन क्रांति का श्रेय दिया जाता है।

इसके अलावा, महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने का काम भी उन्होंने ही किया।

**राजीव गांधी को किसने और क्यों मारा**

राजीव गांधी की 21 मई 1991 को तमिलनाडु के पेरंबदूर में एक चुनावी रैली के दौरान आत्मघाती हमले में मौत हो गई। धनु नाम की एक लिट्टे समर्थक महिला ने राजीव को फूलों का हार पहनाने के बाद अपने कमर में बंधे विस्फोटकों में ब्लास्ट कर दिया।

**भारत के युवा प्रधानमंत्री कौन थे?**

राजीव गांधी भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे।

वे महज 40 साल की उम्र में प्रधानमंत्री बने।

इंदिरा गांधी 1996 में जब पहली बार प्रधानमंत्री बनीं तो उनकी उम्र 48 साल की थीं।

कौन से प्रधानमंत्री पेशे से पायलट भी थे?

राजीव गांधी पेशे से पायलट भी थे। उन्हें 1970 में इंडियन एयरलाइंस द्वारा पायलट के रूप में नियुक्त किया गया। राजीव की शुरुआत में राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं थी।

**भारत में किस प्रधानमंत्री की हत्या हुई थी?**

इंदिरा गांधी और राजीव गांधी।

राजीव गांधी की हत्या के सभी दोषियों को सुप्रीम कोर्ट ने किया रिहा

राजीव गांधी की हत्या के सभी दोषियों को सुप्रीम कोर्ट ने रिहा कर दिया है। ये सभी दोषी उम्रकैद की सजा काट रहे थे। इन दोषियों में नलिनी, एजी पेरारिवलन, श्रीहरन, संधन, रॉबर्ट पायस, जयकुमार और आर पी रविचंद्रन शामिल हैं। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस बी वी नागरत्न की बेंच ने दोषियों को रिहा करने का आदेश दिया था।

**सोनिया गांधी ने नलिनी को किया माफ**

सोनिया गांधी ने अपने पति की हत्या के मामले में दोषी नलिनी को माफ कर दिया था।

ट्रायल कोर्ट ने नलिनी को तीन अभियुक्तों (मुरुगन उर्फ श्रीहरन, पेरारिवलन और संतन) के साथ पहले मौत की सजा सुनाई थी ।हालांकि, बाद में सोनिया गांधी की अपील के बाद उसकी मृत्युदंड की सजा को उम्रकैद में बदल दिया गया ।नलिनी को जिस समय मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी, उस समय वह दो महीने की गर्भवती थी ।सोनिया गांधी का कहना था कि मां की गलती की सजा उस मासूम को क्यों मिले, जो इस दुनिया में आया ही नहीं है।

लिट्टे ने रची राजीव गांधी की हत्या की साजिश

राजीव गांधी की हत्या की साजिश लिट्टे (लिबरेशन टाइगर्स आफ तमिल ईलम) ने रची थी। वह लिट्टे विद्रोहियों को काबू में करने के लिए भारतीय सैनिकों को श्रीलंका भेजने के फैसले से नाराज था। हत्या के मुख्य अभियुक्त शिवरासन ने गिरफ्तार होने से पहले साइनाइड खा लिया था। हत्या की जांच के लिए सीआरपीएफ के आईजी डॉक्टर डीआर कार्तिकेयन के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया था। इस मामले में लिट्टे के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था।

# कांग्रेस की सभाओं में भाषण से लेकर गांधी की हत्या तक, क्यों खुद को हिंदुओं का रक्षक मानता था नाथूराम गोडसे

आखिर गोडसे के मन में गांधीजी के खिलाफ इतनी आग क्यों भभक रही थी, क्यों हत्या करने के बाद भी उसने खुद पर गर्व होने की बात कही? गोडसे के जन्मदिवस पर आज हम इन सवालों के जवाब के साथ उसके बचपन से गांधी के हत्यारे बनने तक की कहानी बताएंगे।

गोडसे की व्यक्तिगत जानकारी

19 मई, नाथूराम गोडसे का जन्म हुआ था। गोडसे का जन्म वर्ष 1910 में पुणे के बारामती में हुआ था। नाथूराम एक ब्राह्मण परिवार में पिता विनायक वामनराव गोडसे और माता लक्ष्मी के घर हुआ था। गोडसे के जन्म से बचपन तक की कहानी भी काफी अलग रही।

गोडसे अपने परिवार का चौथा बेटा था और उसका परिवार खुद को श्रापित मानता था। उसके परिवार का कहना था कि उनके घर जन्मी लड़कियां तो बच जाती थीं, लेकिन लड़के श्राप के कारण मर जाते थे।

लड़कियों की तरह बीता बचपन

गोडसे के परिवार में बेटों की अकाल मृत्यु होने के कारण उसे लड़कियों की तरह पाला गया था। उससे पहले पैदा हुए तीन लड़कों की बचपन में मौत हो गई थी। इसके चलते घर वालों ने नाथूराम को नाक छिदवाकर, फ्रॉक पहनाकर 12 साल की उम्र तक ऐसे ही रखा।

इसलिए रामचंद्र से नाथूराम पड़ा नाम

नाथूराम गोडसे का नाम रामचंद्र था, लेकिन लड़कियों की तरह भेष रखने और नाक छिदवा कर रखने के कारण उसके दोस्तों और परिजनों ने उसका नाम नाथूराम रखा। नाथूराम के बाद उसके भाई दत्तात्रेय का जन्म हुआ और इसी कारण उसका परिवार मानने लगा कि उसने ही सभी को श्राप से मुक्त करवाया है।

कांग्रेस की सभाओं में देता था भाषण

दरअसल, महात्मा गांधी देश के अलग-अलग राज्यों में जाकर छात्रों, महिलाओं और आम लोगों के बीच जाकर भाषण देते थे और उन्हें खादी को अपनाने और कांग्रेस में शामिल होने की बात कहते थे। गांधी जी की इस यात्रा के कारण लोग कांग्रेस से जुड़ने लगे और देश में स्वाधीतना का माहौल पैदा होने लगा।

इसी दौरान नाथूराम के पिता जो डाक विभाग में थे, उनकी पोस्टिंग रत्नागिरी हो गई। रत्नागिरी में गोडसे कांग्रेस के नेताओं से मिलकर सभाओं में जाने लगा। सभाओं में गोडसे भाषण भी देने लगा।

वीर सावरकर से मुलाकात ने बदले विचार

गोडसे की रत्नागिरी में इसके बाद विनायक दामोदर सावकर से मुलाकात हुई। इस मुलाकात के बाद से उसकी विचारधारा में परिवर्तन आना शुरू हुआ और वह हिंदुत्व की राह पर चलने लगा। दरअसल, सावरकर अंडमान की सेल्यूलर जेल में काले पानी की सजा काट कर लौटे थे और वे अपने हिंदुत्व के सिद्धांत के अनुसार भाषण देते थे। इसी भाषणों से गोडसे प्रभावित था और उसने कांग्रेस की सभाओं से दूरी बनानी शुरू कर दी।

आरएसएस से जुड़ाव

सावरकर के प्रभावित होने के चलते ही गोडसे आरएसएस से जुड़ा था। सावरकर जब 1937 में हिंदू महासभा के अध्यक्ष बने तो गोडसे भी इससे जुड़ गया। गोडसे के आरएसएस नेताओं से भी जान पहचान होने लगी थी, लेकिन 1942 में विश्व युद्ध की आहट के बीच आरएसएस पर कई तरह की पाबंदी लगी थी और वे कोई परेड आदि नहीं कर सकते थे।

इसके चलते गोडसे ने अपना ही एक नया संगठन हिंदू राष्ट्र दल बना लिया, जिसे आरएसएस और हिंदू महासभा दोनों का समर्थन मिला था। इस संगठन में ही उसकी मुलाकात नारायण दत्तात्रेय आप्टे से हुई, जो गांधीजी की हत्या में शामिल था।

बटवारे के चलते महात्मा गांधी से हुई नफरत

महात्मा गांधी की हत्या के पीछे गोडसे का देश के बटवारे के खिलाफ होना माना जाता है। गोडसे नहीं चाहते थे कि देश को धर्म के आधार पर बांटा जाए। इन्हीं सब को देखकर उसने गांधी जी की हत्या की प्लानिंग रची। इसके बाद गोडसे ने दत्तात्रेय आप्टे, मदन लाल पहवा और विष्णु करकरे के साथ मिलकर गांधी को मारने की सोची। इसके बाद 20 जनवरी 1948 को पहवा ने प्लान के अनुसार प्रार्थना सभा में विस्फोट किया, लेकिन उसे एक महिला ने देख लिया और वो गिरफ्तार हो गया।

साथी की गिरफ्तारी के बाद भी गोडसे को कोई डर नहीं लगा और नफरत की आग बुझाने के लिए 29 जनवरी को दिल्ली के बिड़ला भवन में गोडसे ने गांधी जी के सीने में तीन गोलियां दाग दीं। गोडसे को इसके बाद पकड़ लिया गया और उसने गांधी जी की हत्या के लिए खुद पर गर्व होने की बात कही, जिसके बाद कोर्ट के आदेशानुसार उसे 15 नवंबर 1949 को फांसी दी गई।

गांधी की हत्या के बाद दिया था ये बयान

गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या के बाद कोर्ट में जज के सामने खुद पर गर्व होने की बता कही थी। उसने कहा था कि गांधी जी ने मुस्लिमों को खुश करने के लिए हिंदी भाषा और हिंदुस्तान के दो तुकड़े कर दिए। उसका मानना था कि गांधी जी ने सारे प्रयोग हिन्दुओं की कीमत पर किए थे।

गोडसे ने अपने बयान में कहा था कि महात्मा गांधी के कारण मुसलमान अपनी मनमानी कर रहे थे और कांग्रेस तुष्टिकरण की नीति अपना रही थी। उसने कहा कि मेरे अंदर विभाजन के चलते गुस्सा

शरीर मे 3 जगह पर सूजन बताता है,

# हाई कोलेस्ट्रॉल से धमनियां 60 प्रतिशत तक हो चुकी हैं संकुचित

कोलेस्ट्रॉल जब शरीर में जरूरत से ज्यादा हाई होता है तभी शरीर में इसके लक्षण नजर आते हैं। यहां आपको तीन ऐसे संकेतों के बारे में बताने जा रहे हैं जो यह बताते हैं कि धमनियों में जमी वसा ने उसे करीब 60 प्रतिशत तक संकुचित कर दिया है और ये खतरे के निशान है। कोलेस्ट्रॉल में बल्ड वेसेल्स यानी नसों में वसा जमने लगती है। इससे ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होने लगता है और इसका सीधा असर हार्ट पर पड़ता है। तो चलिए जानें वो खतरे के संकेत कहां नजर आते हैं।

**क्यों आती है कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर सूजन**

कोलेस्ट्रॉल एक वसायुक्त पदार्थ है जिसकी शरीर को हार्मोन और कोशिकाओं के उत्पादन के लिए आवश्यकता होती है, लेकिन सभी कोलेस्ट्रॉल लिपिड हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं होते हैं। गुड कोलेस्ट्रॉल की जब शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने लगता है तब खतरा भी बढ़ने लगता है। रक्त धमनियों में वसा के जमने से रक्त वाहिकाएं आंशिक रूप से बाधित हो जाती हैं और शरी के अंगों को आवश्यक ऑक्सीजन की कमी होने लगती है। इसकी वजह से ही सूजन आती है। धमनी के कारण ब्लड में रुकावट से एथेरोस्क्लेरोसिस का खतरा होता है।

**तीनों सूजन इस अंग में ही आती है**

कोलेस्ट्रॉल के हाई होते ही पैरों में सूजन आती है और तीनों ही सूजन पैरों में दिखती है। पूरे पैर, टखनों- एंकल या तलवों में सूजन हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरनाक लक्षण होता है। इसके पीछे सिर्फ एक ही वजह होती है, वह यह कि, पैरों से वापस ब्लड हार्ट तक पहुंचने में धमनियों के सकरे होने से कठिन हो जाता है। ब्लड सर्कुलेशन सही न होने से पैरों में लिक्वीड जमा होने लगता है।

### कैसे पहचाने कोलेस्ट्रॉल जनित सूजन

- सूजन को दबाने से अगर गडढे बनें तो यह संकेत है हाई कोलेस्ट्रॉल का।
- कभी-कभी लोग सूजी हुई जगह पर जकड़न महसूस होना
- पैरों या टखनों को हिलाने में भी दिक्कत या चटक का आना।

**नमक के बिना खाना स्वादहीन सा लगता है इसलिए जितना हो सके नमक का सेवन कम मात्रा में ही करना चाहिए। नमक का ज्यादा मात्रा में सेवन करने से दिल से जुड़ी बीमारी का खतरा बढ़ जाता है वहीं ये सेहत के लिए भी नुकसानदायक होते हैं। इसलिए इसका सेवन जितना हो सके उतना कम होने की सलाह दी जाती है। इसलिए जानिए नमक के कम मात्रा में सेवन से शरीर को कौन-कौन से फायदे मिलते हैं।**



# खाने में करते हैं नमक का कम मात्रा में सेवन तो सेहत को मिलते हैं फायदे

नमक का सेवन ज्यादा मात्रा में यदि लगातार किया जाता है तो हाइपरटेंशन और हार्ट अटैक का खतरा दो गुना ज्यादा बढ़ जाता है। इसलिए कोशिश करें कि नमक का सेवन जितना हो सके कम मात्रा में ही करें।

नमक के बिना खाना स्वादहीन सा लगता है इसलिए जितना हो सके नमक का सेवन कम मात्रा में ही करना चाहिए। नमक का ज्यादा मात्रा में सेवन करने से दिल से जुड़ी बीमारी का खतरा बढ़ जाता है वहीं ये सेहत के लिए भी नुकसानदायक होते हैं। इसलिए इसका सेवन जितना हो सके उतना कम होने की सलाह दी जाती है। इसलिए जानिए नमक के कम मात्रा में सेवन से शरीर को कौन-कौन से फायदे मिलते हैं।

दिल की बीमारी होती है दूर- नमक का सेवन यदि कम मात्रा में करते हैं तो दिल की बीमारी का खतरा कम रहता है। नमक का सेवन कम मात्रा में करने से लगभग 20 से 30 प्रतिसत तक दिल की बीमारी का खतरा नहीं होता है। इसलिए जरूरत के मुताबिक ही नमक का सेवन करें।

ब्लड प्रेशर रहता है नियंत्रण में- नमक में सोडियम की मात्रा भरपूर होती है। सोडियम के सेवन ज्यादा मात्रा में करते हैं तो ब्लड प्रेशर का स्तर बढ़ सकता है वहीं ये दिल और रक्त वाहिकाओं को नुकसान भी पहुंचाता है। इसलिए कोशिश करें कि डाइट में नमक का सेवन कम ही करें। वहीं जो व्यक्ति नमक का सेवन कम मात्रा में करते हैं उन्हें किडनी से जुड़ी कई समस्याएं भी दूर हो जाती हैं।

**ब्लोटिंग की समस्या रहती है दूर**

खाने में नमक का ज्यादा मात्रा में सेवन ब्लोटिंग की समस्या को बढ़ाता है, इसलिए कोशिश करें कि जितना हो सके उतना कम ही सेवन करें ताकि ब्लोटिंग के जैसी अन्य समस्याएं दूर रहे। अधिक मात्रा में नमक के सेवन से न केवल पेट फूलता है बल्कि त्वचा में इचिंग भी हो सकती है। इसलिए ज्यादा मात्रा में इसके सेवन को अवॉयड करें।

**दिमाग की सेहत को मिलता है बढ़ावा**

नमक का सेवन यदि आप ज्यादा मात्रा में करते हैं तो दिमाग की सेहत को बढ़ावा मिलता है, नमक का ज्यादा मात्रा में सेवन सेहत के लिए हानिकारक होता है। इससे खून की कमी की आपूर्ति में कमी भी आती है और ये ब्लड प्रेशर को भी बढ़ाता है।

**हड्डियां होती हैं मजबूत**

नमक में सोडियम की मात्रा भरपूर होती है जो कैल्शियम को यूरिन के जरिए बाहर निकाल देती है, लेकिन वहीं यदि आप नमक का सेवन कम मात्रा में करते हैं तो सोडियम की मात्रा शरीर में ज्यादा नहीं बढ़ती है हड्डियों की सेहत में सुधार करता है। इसलिए नमक का सेवन कम मात्रा में करें ताकि ओस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डियों से जुड़ी बीमारी खतरा कम हो जाए।

# प्रेग्नेंसी में न खाएं ये चीजें, मां और गर्भस्थ शिशु दोनों को हो सकता है खतरा

**हर महिला के लिए मां बनना दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास होता है। प्रेग्नेंसी के दौरान सेहत का बेहद ध्यान रखने की जरूरत होती है। ऐसे में मां को अपने साथ साथ पेट में पल रहे शिशु की अच्छे से देखभाल करने की जरूरत होती है। मां बनना महिला के जीवन का सबसे खूबसूरत पल होता है। ऐसे में जरूरी है कि मां और बच्चा दोनों स्वस्थ रहे। प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अपना और पेट में पल रहे बच्चा का विशेष रूप से ध्यान रखने की जरूरत होती है। प्रेग्नेंसी में अच्छी डाइट लेनी चाहिए जो मां और बच्चे की सेहत के लिए फायदेमंद होता हो। लेकिन कुछ चीजें ऐसी है जिन्हें प्रेग्नेंसी के दौरान भूलकर भी सेवन नहीं करना चाहिए। इन चीजों का सेवन करने से मां और बच्चे दोनों को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए प्रेग्नेंसी में खाने पीने की चीजों का सेवन करने से पहले विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है। तो आइए जानते है प्रेग्नेंसी में किन चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए**



**1. कच्चा पपीता**-प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को भूलकर भी कच्चे पपीते का सेवन नहीं करना चाहिए कच्चा पपीता में लेटेक्स पाया जाता है जिसकी वजह से प्रेग्नेंसी के शुरूआती दिनों में गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए प्रेग्नेंसी के दौरान कच्चा पपीता का सेवन करने से बचना चाहिए।

**2. अनानास**-प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अनानस का सेवन करने से बचना चाहिए। अनानास में ब्रोमेलिन पाया जाता है, जिसकी वजह से प्रेग्नेंसी में जल्दी प्रसव होने की जोखिम बढ़ जाती है। इसलिए प्रेग्नेंसी के दौरान अनानस का सेवन करने से बचना चाहिए।

**3. तुलसी**-प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को तुलसी के पत्ते का सेवन करने से बचना चाहिए। एस्ट्रोगोल नामक तत्व तुलसी के पत्तों में पाए जाते है, जिसकी वजह से गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए प्रेग्नेंसी के दौरान तुलसी के पत्ते चबाने और चाय का सेवन करने से बचना चाहिए।

भूलकर भी न करें इन फूड्स का सेवन, लिवर को पहुंचा सकता है नुकसान

**4. अंगूर**- प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अंगूर का ज्यादा सेवन करने से बचना चाहिए। अधिक मात्रा में अंगूर का सेवन करने से प्री स्टेज पर डिलीवरी की समस्या हो सकती है। अगर आप पहली तिमाही में है तो अधिक मात्रा में अंगूर का सेवन करने से बचे, नहीं तो गर्भपात तक हो सकता है। इसलिए प्रेग्नेंसी के दौरान अंगूर का सेवन सीमित मात्रा में करें।



# इन 3 जगहों पर होने वाले दर्द की वजह है नसों में जमी वसा

नसों में जब वसा का जमना बढ़ता है तो इससे ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होने लगता है और ये खतरे का संकेत होता है। अगर शरीर में तीन जगह पर दर्द हो रहा तो इसे इग्नोर न करें।बैड कोलेस्ट्रॉल जब शरीर में जमा होता है तो इसके लक्षण असानी से सामने नहीं आते, लेकिन जब आते हैं तब ये खतरे के निशान पर होता है। इसलिए इन संकेतों को पहचान कर तुरंत इलाज शुरू कर देना चाहिए। डाइट, एक्सरसाइज और दवाएं इसे कंट्रोल करने में मददगार होती हैं।

बिगड़ी लाइफस्टाइल और फिजिकल एक्टिविटी न करने के कारण ही शरीर के साथ नसों में भी वसा का जमाव शुरू हो जाता है। यही आगे चलकर हाई कोलेस्ट्रॉल का कारण बनता है और इससे अन्य बीमारियां जैसे ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हार्ट अटैक, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, ट्रिपल वेसेल डिजीज बीमारियों का खतरा बढ़ता है। तय मानको के मुताबिक हेल्दी एडल्ट्स में 200 मिलीग्राम/डीएल तक कोलेस्ट्रॉल होना चाहिए, अगर यही लेवल 240 मिलीग्राम/डीएल के पार पहुंच जाए तो समझ जाएं कि खतरा बढ़ चुका है और आपको अपनी जीवनशैली और खान पान में बदलाव लाने की जरूरत है।खून में अगर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाए तो पेरिफेरल आर्टरी डिजीज का खतरा बढ़ता है। इससे धमनियों को नुकसान पहुचता है और धमनियां सिकुड़ने लगती हैं और ब्लड सही से शरीर हर अंग तक नहीं पहुंच पाता।पेरिफेरल आर्टरी डिजीज होने शरीर में खून का प्रवाह बाधित होता है। अगर आपके जांघों, कूल्हों और पैरो में तेज दर्द बना रहता है तो ये संकेत हाई कोलेस्ट्रॉल के हो सकते है। ऐसा होने पर आपको तुरंत अपने कोलेस्ट्रॉल की जांच करानी चाहिए।

# सेहत रखना चाहते हैं फिट तो करें मौसमी तरकारी का सेवन



आज के समय में ज्यादातर लोग मोटापे के शिकार हो रहे हैं। बढ़ते वजन की वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लेकिन कुछ ऐसी सब्जियां भी हैं जिनको आप अपनी डाइट में शामिल करके वजन को तेजी से कम कर सकते हैं।

आजकल की बदलती लाइफस्टाइल और खराब डाइट की वजह से मोटापा तेजी से बढ़ रहा है। ज्यादातर लोग मोटापे का शिकार हो रहे हैं। मोटापा की वजह से कई बीमारियों के होने का खतरा बढ़ जाता है। वजन कम करने के लिए लोग कई तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन वजन को कम करना बहुत ही मुश्किल काम होता है, जिसकी वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता। वजन बढ़ने की वजह से स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वजन को कम करने के लिए सबसे पहले आप अपनी डाइट का विशेष रूप ध्यान रखें। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो कुछ सब्जियों का सेवन करके आप वजन को कम कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं इन सब्जियों के बारे में जो वजन को कम करने में मदद करते हैं

## वजन कम करने वाली सब्जियां

**1. मशरूम**

वजन को कम करने के लिए मशरूम का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि मशरूम में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है, जो मेटाबॉलिज्म को तेज को तेज करता है। इससे आपका शरीर तेजी से फैट बर्न कर पाता है, जिससे बेहद हेल्दी तरीके से वजन को कम करने में मदद मिलती है।

**2. लौकी**

वजन को कम करने के लिए लौकी का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि लौकी पानी और फाइबर के गुणों से भरपूर होता है। साथ ही लौकी में जीरो फैट होता है। जिससे वजन को कम करने में मदद मिलती है।

**3. शिमला मिर्च**

वजन को कम करने के लिए शिमला मिर्च का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि शिमला मिर्च में कम कैलोरीज होती हैं। साथ ही इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है और भूख भी कम लगती है। जिससे वजन को कम करने में मदद मिलती है।

**4. पत्तागोभी**

वजन को कम करने के लिए पत्तागोभी का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि पत्तागोभी में कैलोरी कम और फाइबर की मात्रा अधिक होती है। जिससे वजन को कम करने में मदद मिलती है।

# क्या आप बढ़ते वजन को तेजी से करना चाहते हैं कम ?

## तो अपनी डाइट में जरूर करें इन ड्रिंक्स को शामिल

आज के समय में ज्यादातर लोग मोटापे के शिकार हो रहे हैं। बढ़ते वजन की वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लेकिन कुछ ऐसे ड्रिंक्स भी हैं जिनको आप अपनी डाइट में शामिल करके वजन को तेजी से कम कर सकते हैं। आजकल की बदलती लाइफस्टाइल और खराब डाइट की वजह से मोटापा तेजी से बढ़ रहा है। ज्यादातर लोग मोटापे का शिकार हो रहे हैं। मोटापा की वजह से कई बीमारियों के होने का खतरा बढ़ जाता है। वजन कम करने के लिए लोग कई तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन वजन को कम करना बहुत ही मुश्किल काम होता है, जिसकी वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता। वजन बढ़ने की वजह से स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वजन को कम करने के लिए सबसे पहले आप अपनी डाइट का विशेष रूप ध्यान रखें। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो कुछ ड्रिंक्स का सेवन करके आप वजन को कम कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं इन ड्रिंक्स के बारे में जो वजन को कम करने में मदद करते हैं।



## वजन कम करने वाले ड्रिंक्स

**1. जीरा पानी**

वजन को तेजी से कम करने के लिए जीरा पानी का सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि जीरा पानी एक लो-कैलोरी ड्रिंक है जो बैली फैट बर्न करने में मदद करता है। साथ ही इसका सेवन करने से भूख कम लगती है, जिससे वजन को तेजी से कम करने में मदद मिलती है।

**2. नींबू पानी**

वजन को तेजी से कम करने के लिए नींबू पानी का सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि नींबू पानी पेक्टिन फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो पेट की चर्बी को पिघलाने में मदद करता है। इसलिए वजन को कम करने के लिए आप खाली पेट एक गिलास गुनगुना नींबू पानी पिएं।

**3. धनिया का पानी**

वजन को तेजी से कम करने के लिए धनिया का पानी सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि धनिया का पानी शरीर में जमा फैट को कम होता है, जिससे वजन को कम करने में मदद मिलती है। इसलिए वजन को कम करने के लिए आप रातभर धनिया को पानी में भिगोकर रख दें। फिर सुबह इसे छानकर पी लें।

4. सौंफ का पानी

वजन को तेजी से कम करने के लिए सौंफ का पानी सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि सौंफ में शरीर को डिटॉक्स करने वाले गुण पाए जाते हैं। साथ ही ये मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मदद करते हैं, जिससे वजन को तेजी से कम करने में मदद मिलती है। इसलिए वजन को कम करने के लिए आप रातभर सौंफ को पानी में भिगोकर रख दें। फिर सुबह इसे उबालें और गुनगुना होने पर खाली पेट पी लें।

# अतीक-अशरफ का प्यार बीवियों को कभी नहीं आया रास, दौलत की लड़ाई अब आई सामने?

माफिया अतीक अहमद जब तक जिंदा था, उसके परिवार को छूने की हिम्मत किसी में नहीं थी. अतीक अपने भाई और सभी बच्चों के साथ कई रिश्तेदारों को साथ लेकर चलता था. इन लोगों के लिए अतीक का इशारा ही काफी होता था. छोटा भाई अशरफ हमेशा अतीक के दिखाए रास्ते पर चलता था. अतीक की ही वजह से अशरफ ने राजनीति में एंट्री ली थी. लेकिन दोनों की बीवियों में कभी नहीं बनी. दोनों भाइयों की हत्या के बाद अब देवरानी-जेठानी का झगड़ा सामने आने लगा है.शाइस्ता परवीन के बारे में अब लगभग हर कोई जान रहा है. माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता को अब लेडी डॉन कहा जा रहा है. ये लेडी डॉन 83 दिनों के बाद भी पुलिस की पकड़ में नहीं आई है. वहीं, अतीक के भाई अशरफ की पत्नी के बारे में कम ही लोग जानते होंगे. अशरफ की पत्नी का नाम जैनब फातिमा है.शाइस्ता और जैनब के बीच झगड़ा अशरफ की शादी के कुछ साल बाद ही शुरू हो गया था. जैनब और अशरफ की शादी शाइस्ता ने धूम-धाम से करवाई थी. दोनों की शादी में किसी भी इंतजाम में कोई कोतहाई नहीं की गई थी. उस वक्त की शाइस्ता और जैनब की तस्वीरें भी खूब वायरल हुई थीं. लेकिन अब ये दोनों देवरानी और जेठानी एक दूसरे को फूटी आंख से भी पसंद नहीं करतीं.कहा जा रहा है कि झगड़ा जैनब फातिमा की तरफ से शुरू हुआ. जैनब को शाइस्ता का घर पर पूरी तरह से दबदबा कभी पसंद नहीं था. बड़ी होने और जेठानी होने के नाते शाइस्ता के सामने कोई नहीं बोलता था. अतीक के जेल में बंद रहने के दौरान सारा कामकाज शाइस्ता ही संभालती थी. शाइस्ता की ठाठ-बाठ की वजह से जैनब उससे नफरत करने लगी.अतीक के वकील खान सौलत हनीफ ने बताया कि देवरानी और जेठानी एक दूसरे से जलती थीं. बता दें कि हनीफ ने पुलिस कस्टडी में ये सारी बातें बयां की हैं. हनीफ ने बताया कि शाइस्ता ने वसूली के तौर पर एक बिजनेसमैन से फॉर्चुनर कार ली थी. जब जैनब को पता चला तो वो सीधे बरेली जेल पहुंच गई और अशरफ पर वैसी ही कार दिलाने का दबाव बनाया. अशरफ ने उस बिजनैसमैन को फोन किया और जैनब को फॉर्चुनर कार दिलवाई.

अतीक-अशरफ के जिंदा रहते भी जैनब की जलन सामने आ चुकी थी. हनीफ के मुताबिक जैनब प्रॉपर्टी के बंटवारे पर अड़ी थी. दोनों भाइयों की हत्या के बाद जैनब ने अपना असली रंग दिखाया. जैनब अपने पति की मौत का जिम्मेदार अतीक के बेटे असद को ठहराया. उसका कहना था कि असद ने खुलेआम गोली नहीं चलाई होती तो उसका पति अशरफ आज जिंदा होता.

# जयपुर में सरकारी कार्यालय के बेसमेंट में मिला 2 करोड़ से ज्यादा 'लावारिस' कैश, एक किलो सोना, हिरासत में लिए गये 8 लोग



राजस्थान सरकार के अधिकारियों को योजना भवन, एक सरकारी भवन में 2.31 करोड़ रुपये की लावारिस नकदी और 1 किलो सोने की छड़ें मिलीं। पुलिस ने कहा कि विभाग के करीब 7-8 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।अतिरिक्त निदेशक महेश गुप्ता के विशेष इनपुट के आधार पर जयपुर शहर पुलिस द्वारा नकदी बरामद की गई थी। मुख्य सचिव उषा शर्मा और डीजीपी के साथ देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयपुर के पुलिस आयुक्त आनंद श्रीवास्तव ने कहा कि आईटी विभाग के अतिरिक्त निदेशक ने पुलिस को सूचित किया कि उन्हें अपने तहखाने में नकदी और एक सोने की छड़ मिली है।जयपुर के पुलिस आयुक्त आनंद कुमार श्रीवास्तव ने एएनआई के हवाले से कहा था जयपुर में सरकारी कार्यालय योजना भवन के बेसमेंट में एक अलमारी में रखे बैग में 2.31 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और करीब 1 किलो सोने के बिस्किट मिले हैं। 102 सीआरपीसी के तहत पुलिस ने इन नोटों को जब्त कर लिया है और एक टीम बनाई इस मामले की जांच करने के लिए पाया गया है। आनंद कुमार श्रीवास्तव ने आगे कहा, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। सीएम अशोक गहलोत को भी इस बारे में सूचित कर दिया गया है।

# इलाज कराने अस्पताल पहुंचा था मरीज, ऑपरेशन के नाम पर डॉक्टर ने काट दिया प्राइवेट पार्ट




बिहार के मुजफ्फरपुर के सकरा थाना क्षेत्र में बीते दिनों एक निजी अस्पताल में डॉक्टर ने एक व्यक्ति का हर्निया का ऑपरेशन किया, लेकिन उसने उसका हाइड्रोसील काटकर हटा दिया. आरोपी डॉक्टर का नाम एआर श्रीवास्तव है. उसके खिलाफ केस दर्ज हो गया है. इसके अलावा संचालक ब्रिज बिहारी चौधरी और नर्स सविता ठाकुर के खिलाफ भी मामला दर्ज हुआ है. पीड़ित कमलेश महतो की पत्नी संगीता देवी ने सकरा थाना में तीनों के खिलाफ नामजद स्न्ढ्डक्रदर्ज कराया. थाना में दिए गए आवेदन में लिखा कि उन्हें जबरन बुलाकर ऑपरेशन किया और गलत ऑपरेशन करके हाईड्रॉसील काटकर हटा दिया. पूरे मामले पर सिटी एसपी अरविन्द प्रताप सिंह ने बताया कि पीड़िता की तरफ से सकरा थाना में आवेदन दिया गया है. एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच करके आगे की कार्रवाई की जाएगी.अस्पताल का नाम शिव शक्ति नर्सिंग होम है. बीते 10 अप्रैल को सकरा वाजिद के रहने वाले कमलेश महतो का हॉर्निया का ऑपरेशन किया गया था. नर्सिंग होम में हर्निया का इलाज तो ठीक से हुआ नहीं, बल्कि कमलेश की हाइड्रोसील ही काट कर हटा दिया है. इसकी वजह से मरीज की स्थिति बिगड़ गई थी.

# आर्यन को जेल में मत रखना, वो टूट जाएगाज', बेटे की गिरफ्तारी के बाद शाहरुख खान ने समीर वानखेड़े को भेजे थे मैसेज,

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को ड्रग्स मामले में सलाखों के पीछे डालने के बाद से ही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े विवादों में हैं। कभी उनपर अपने पद का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगा तो कभी रिश्वत का। काफी समय से वानखेड़े पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई हैं। फिलहाल समीर वानखेड़े पर आर्यन खान को जबरन ड्रग्स केस में फंसाने का आरोप है उसी को लेकर पूछताछ जारी हैं और समीर अब तक कई खुलासे कर चुके हैं। जिस दौरान आर्यन खान जेल में बंद थे तब बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान और समीर वानखेड़े के बीच व्हाट्सएप पर बातचीत हुई थी। दोनों के बीच क्या बात हुई उस चैट का अब खुलासा हुआ है।

**समीर वानखेड़े ने अपनी बेगुनाही का पेश किया सबूत**

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े, जिन पर ड्रग्स मामले में अपने बेटे आर्यन खान की रिहाई के लिए बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान से 25 करोड़ रुपये वसूलने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। वानखेड़े ने अपनी बेगुनाही का सबूत पेश करते हुए शाहरुख खान और अपने बीच की मैसेज चैक कोर्ट के सामने पेश की हैं। समीर वानखेड़े ने कोर्ट में दाखिल अपनी याचिका में एक्टर संग हुई बातचीत को दिखाते हुए दावा किया है ये मैसेजेस शाहरुख ने उन्हें भेजे थे। इनमें शाहरुख ने वानखेड़े से बार-बार बेटे आर्यन का जेल में ध्यान रखने की अपील की है। एक्टर ने कई दफा वानखेड़े से गुजारिश करते हुए लिखा- प्लीज आर्यन पर थोड़ा नरम रहना ।2021 में समीर वानखेड़े ने ड्रग्स छापे पर ह्वष्टक्चटीम का नेतृत्व किया, जिसके दौरान एजेंसी ने शाहरुख खान के बेटे आर्यन को गिरफ्तार किया और उन पर ड्रग्स रखने और सेवन करने का आरोप लगाया। आर्यन को अब से रिहा कर दिया गया है और उसके खिलाफ आरोप हटा दिए गए हैं और वानखेड़े अब कटघरे में हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने समीर वानखेड़े पर आर्यन खान को ड्रग्स मामले में फंसाने से बचने के लिए शाहरुख खान से 25 करोड़ रुपये निकालने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। अपने ऊपर लगे आरोपों के जवाब में, समीर वानखेड़े ने निर्दोषता का दावा करते हुए एक याचिका दायर की। याचिका, जिसे इंडिया टुडे टीवी ने एक्सेस किया है, में टेक्स्ट वार्तालाप के स्क्रीनशॉट की तरह दिखने वाले अटैचमेंट शामिल हैं। उन स्क्रीनशॉट्स में सबसे ऊपर 'शाहरुख खान' का नाम है।

**'शाहरुख चैट'**-स्क्रीनशॉट के अनुसार, शाहरुख खान ने कथित तौर पर समीर वानखेड़े से आग्रह किया, आर्यन को जेल में नहीं रहने क्योंकि यह उनकी आत्मा को नष्ट कर देगा। वानखेड़े द्वारा निर्मित चैट में, शाहरुख खान अधिकारी को यह भी बताते हैं कि आर्यन एक कठोर अपराधी की तरह जेल में रहने के लायक नहीं है। समीर वानखेड़े ने अपनी पेटीशन में जो चैट अटैच की हैं उनमें से कुछ मैसेज इस प्रकार हैं-

'मैं कसम खाता हूँ कि मैं आने वाले हर समय तुम्हारे साथ खड़ा रहूँगा और तुम्हारी मदद करूँगा कि तुम क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे हो। यह एक आदमी का वादा है और तुम मुझे इतना जानते हो कि मैं अच्छा हूँ। इसके लिए। मैं आपसे विनती करता हूं कि कृपया मुझ पर और मेरे परिवार पर दया करें। हम लोगों का एक साधारण समूह है और मेरा बेटा थोड़ा स्वच्छंद है, लेकिन वह एक कठोर अपराधी की तरह जेल में रहने के लायक नहीं है। आप भी जानिए वह। आपका भी एक दिल है यार, कृपया मैं आपसे विनती करता हूं आर्यन के प्रति नरम रहें। मैं तुमसे विनती करता हूँ यार, कृपया उसे उस जेल में मत रहने दो। वह एक इंसान के रूप में टूट जाएगा।

# रेस्त्रां में बर्तन धोने वाली लड़की ने जब खुद खरीद लिया होटल




सोचिए कोई इंसान होटल में बर्तन धो रहा हो और वह वहां से कमाए हुए पैसों के जरिए अपना जेब खर्च पूरा करता हो. इसके साथ-साथ वह कॉलेज भी जाता हो और फिर एक दिन ऐसा आ जाए कि वह इंसान उसी होटल को खरीद कर उसका मालिक बन जाए, तो यह कहानी शायद किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं होगी. लेकिन अमेरिका की एक लड़की के साथ ऐसा ही हुआ है, वह जिस होटल में बर्तन धोती थी उसी होटल को उसने खरीद लिया है.

दरअसल, इस लड़की की सक्सेस स्टोरी दुनिया भर में चर्चित हो चुकी है. लोग जानना चाह रहे हैं कि इस लड़की ने कैसे यह कमाल कर दिखाया है. अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना अमेरिका के ओहियो की है. यह लड़की अभी सिर्फ 18 साल की है और इतनी कम उम्र में इस लड़की ने अपने हिस्से का बिजनेस शुरू कर दिया है. इस बिज़नेस में वह कभी मजदूर के रुप में काम कर रही थी लेकिन अब वह मालकिन की तरह काम कर रही है.रिपोर्ट के मुताबिक इस लड़की का नाम सामंथा है और वह सिर्फ 18 साल की है. वह ओहियो के एक छोटे रेस्त्रां में पॉट वॉशर का काम करती थीं. धीरे-धीरे वह वहां कुक बन गई. हाईस्कूल की पढ़ाई के बाद लड़की ने कॉलेज में जैसे ही दाखिला लिया, उसन जेब खर्च के लिए बिजनेस का आइडिया बना लिया. लेकिन तभी एक रेस्त्रां में बर्तन धोने की नौकरी का काम शुरू कर दिया और वह धीरे-धीरे उसमें कुक बन गई. उसका खाने बनाने का तरीका और खाने का स्वाद लोगों को खूब पसंद आया. इसी बीच उसे पता चला कि रेस्त्रां के मालिक इसे बेचना चाहते हैं. वह ब्रोकर्स से बातचीत कर रहे हैं. तभी उसने इसे खरीदने का प्लान बना डाला. लेकिन इस रेस्त्रां के लिए उसे पैसों की बहुत जरूरत थी जो उसके पास नहीं थे. उसने अपनी सारी सेविंग्स निकाली, दोस्तों की रेस्त्रां उधार ली, तब भी पैसे नहीं पूरे हुए. उसने घर से भी कुछ पैसे लिए तब जाकर उसके कुछ पैसे हुए. लेकिन तब भी रेस्त्रां के दाम से कम ही थे. आखिर उसमें होटल के मालिक से बात की और अपनी बात रखी. इसके बाद होटल बिकने को तैयार हो गया. अब वह होटल की मालकिन बन चुकी है और धीरे-धीरे पूर्व मालिक के पैसे चुका रही है.

## मक्का फसल में कीट प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण : डॉ जगदीश किशोर

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ.बिजेन्द्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि खरीफ मक्का एक उपयोगी फसल है। इसमें कार्बोहाइड्रेट 70 प्रतिशत प्रोटीन 10 प्रतिशत पाया जाता है जिसके कारण इसका उपयोग मनुष्यों के साथ-साथ पशुओं के आहार के रूप में भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर औद्योगिक दृष्टि से बात करें तो इसका प्रयोग मुर्गी दाना के रूप में भी किया जाता है। उन्होंने कहा मई माह में मक्का की फसल का प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है उन्होंने बताया कि इसमें तना छेदक कीट,तना व पत्तियों तथा भुट्टो को नुकसान पहुंचाता है। इनके नियंत्रण के लिए नीम एवं मदार की पत्तियों का 50ml रस लेकर 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। इसके अतिरिक्त इसके नियंत्रण के लिए क्लोरपायरीफॉस 20 प्रतिशत 1.5 लीटर दवा को 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। इसी तरह से मक्का में पत्ती लपेटक कीट की भी रोकथाम करते हैं। डॉ किशोर ने बताया कि मक्का में सुंडी व टिड्डियों के प्रबंधन हेतु कार्बारिल 50 डब्ल्यूपी प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धूल 10 से 15 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुरकाव कर दें। उन्होंने बताया कि जायद मक्का की फसल को यदि कीड़ों से रोकथाम कर लिया तो अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है।

# धीरेंद्र शास्त्री के सामने बताना चाहते हैं अपनी समस्या, तो पहले जान लें अर्जी लगाने के नियम

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री की लोकप्रियता तमाम विवादों के बावजूद बढ़ती जा रही है. सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े कई वीडियो वायरल होते रहते हैं. उनकी प्रसिद्धी का सबसे बड़ा कारण यह दावा है कि वह पर्जी के जरिए कथित तौर पर लोगों का मन पढ़ लेते हैं. उनके बारे में सारी जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर समस्या का समाधान भी बताते हैं. आज हम आपको इस पर्ची से जुड़ी जानकारी बता रहे हैं.

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो पन्ना रोड पर स्थित गंज नाम के छोटे से कस्बे से सड़क मार्ग के जरिए करीब 35 किलोमीटर की दूरी पर बागेश्वर धाम स्थित है. यहां बालाजी का प्रसिद्ध मंदिर है.

धीरेंद्र शास्त्री के सामने पेशी के लिए लगानी होती है अर्जी

बागेश्वर धाम में धीरेंद्र शास्त्री से समस्याओं का समाधान पाने के लिए पहले अर्जी लगाई जाती है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जो व्यक्ति अर्जी लगाना चाहता है उसे एक नारियल बांधकर बागेश्वर धाम के परिसर में रखना होता है.

यदि कोई व्यक्ति सामान्य समस्या के लिए अर्जी लगाना चाहता है तो उसे लाल कपड़े में नारियल बांधना होता है. भूत-प्रेत से जुड़ी अर्जी के लिए नारियल को काले कपड़े में और शादी-विवाह से जुड़े मसले के लिए नारियल को पीले कपड़े में बांधकर रखना होता है.

**अर्जी लग जाने पर होती है पेशी**

अगर अर्जी लग जाती है तो



बागेश्वर धाम में पेशी के लिए जाना होता है. बागेश्वर धाम के दरबार में जब किसी की अर्जी लगती है तो धीरेंद्र शास्त्री खुद व्यक्ति को बताते हैं कि उसे कितनी पेशी की आवश्यकता है. हालांकि यहां बड़ी संख्या में देश के कोने-कोने से भक्त पहुंचते हैं. अर्जी लगना इतना आसान नहीं होता है.

धीरेंद्र शास्त्री के वायरल वीडियो में अक्सर उनके दरबार से जुड़े होते हैं. जिनमें लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं. बाबा के पास एक पर्ची और कलम होता है वो उस पर कुछ लिखते हैं. लोगों को कथित पर समस्याओं का समाधान बताते हैं. धीरेंद्र शास्त्री के सामने बताना चाहते हैं अपनी समस्या, तो पहले जान लें अर्जी लगाने के नियम

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री की लोकप्रियता तमाम विवादों के बावजूद बढ़ती जा रही है. सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े कई वीडियो वायरल होते रहते हैं. उनकी प्रसिद्धी का सबसे बड़ा कारण यह दावा है कि वह पर्जी के जरिए कथित तौर पर लोगों का मन पढ़ लेते हैं. उनके बारे में सारी जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर समस्या का समाधान भी बताते हैं. आज हम आपको इस पर्ची से जुड़ी जानकारी बता रहे हैं.

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो पन्ना रोड पर स्थित गंज नाम केछोटेसेकस्बेसेसड़कमार्गकेजरिए करीब 35 किलोमीटर की दूरी पर बागेश्वर धाम स्थित है. यहां बालाजी का प्रसिद्ध मंदिर है. धीरेंद्र शास्त्री के सामने पेशी के लिए लगानी होती है अर्जीबागेश्वर धाम में धीरेंद्र शास्त्री से समस्याओं का समाधान पाने के लिए पहले अर्जी लगाई जाती है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जो व्यक्ति अर्जी लगाना चाहता है उसे एक नारियल बांधकर बागेश्वर धाम के परिसर में रखना होता है.

यदि कोई व्यक्ति सामान्य समस्या के लिए अर्जी लगाना चाहता है तो उसे लाल कपड़े में नारियल बांधना होता है. भूत-प्रेत से जुड़ी अर्जी के लिए नारियल को काले कपड़े में और शादी-विवाह से जुड़े मसले के लिए नारियल को पीले कपड़े में बांधकर रखना होता है.

**अर्जी लग जाने पर होती है पेशी**

अगर अर्जी लग जाती है तो बागेश्वर धाम में पेशी के लिए जाना होता है. बागेश्वर धाम के दरबार में जब किसी की अर्जी लगती है तो धीरेंद्र शास्त्री खुद व्यक्ति को बताते हैं कि उसे कितनी पेशी की आवश्यकता है. हालांकि यहां बड़ी संख्या में देश के कोने-कोने से भक्त पहुंचते हैं. अर्जी लगना इतना आसान नहीं होता है.

धीरेंद्र शास्त्री के वायरल वीडियो में अक्सर उनके दरबार से जुड़े होते हैं. जिनमें लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं. बाबा के पास एक पर्ची और कलम होता है वो उस पर कुछ लिखते हैं. लोगों को कथित पर समस्याओं का समाधान बताते हैं.

## बागेश्वर बाबा को डायमंड कारोबारी की चुनौती, धीरेंद्र शास्त्री दिखाएं अपनी शक्ति, भेंट में दूंगा दो करोड़ के हीरे

बिहार के बाद अब बागेश्वर धाम के कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अलग-अलग तारीखों पर गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और राजकोट में दरबार लगाएंगे. उनका पहला दरबार लगेगा डायमंड सिटी सूरत में. इसकी तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं.

लेकिन उससे पहले गुजरात के एक हीरा कारोबारी ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को चुनौती दी है. इस कारोबारी का नाम है जनक बाबरिया. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर बागेश्वर बाबा दरबार में यह बता दें कि डायमंड के पैकेट में कितने हीरे हैं तो वह दो करोड़ रुपये के हीरे उनको भेंट में दे देगा.धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को चुनौती देने वाले डायमंड कारोबारी ने कहा, 'अगर उनमें कोई दिव्य शक्ति है तो मैं उनके सामने पांच से सात सौ कैरेट के हीरे के पैकेट लेकर जाऊंगा. अगर वह बता दें कि उसके अंदर कितने हीरे हैं तो वह सारे हीरे उनके चरणों में भेंट कर उनकी अलौकिक शक्तियों को मान लेगा.

बता दें कि बिहार के पटना में बागेश्वर बाबा ने 13 मई से 17 मई तक कथा की थी. इस दौरान उनकी कथा सुनने इतने लोग पहुंचे कि संभालना मुश्किल हो गया. दरबार में अर्जी लगाने वालों के पुराने सभी कीर्तिमान ध्वस्त हो गए. हालांकि उनकी बिहार यात्रा के दौरान सियासत भी खूब हुई थी. बिहार में सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार की सहयोगी आरजेडी ने उनका विरोध किया था.

लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप ने कहा था कि वह बागेश्वर बाबा को एयरपोर्ट से निकलने नहीं देंगे. लेकिन पटना के जिस भी इलाके में धीरेंद्र शास्त्री गए, उनको देखने के लिए भक्तों का हुजूम लग गया. आंकड़े के मुताबिक, 13 से 17 मई के बीच हनुमंत कथा के दौरान भक्तों की तादाद 30 लाख को पार कर गई थी.इतना ही नहीं, उनके दरबार में अर्जी लगाने वालों के भी तमाम रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए. बताया जा रहा है कि करीब 18 लाख अर्जियां बिहार के लोगों की ओर से आईं.

## क्या आरबीआई दोबारा जारी करेगा 500 रुपये से बड़ा नोट? जान लीजिए जवाब

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को 2000 के सभी नोट वापस लेने का ऐलान कर दिया. ये नोट साल 2016 में नोटबंदी के बाद जारी किए गए थे. हालांकि, 2000 के नोटों को अवैध घोषित नहीं किया गया है. इसका मतलब है कि 30 सितंबर तक ये नोट आम चलन में रहेंगे. इसके बाद भी ये नोट प्रचलन में रहेंगे क्योंकि इस मामले में कोई साफ ऐलान नहीं किया गया है. इस बीच, सवाल उठ रहा है कि क्या फिर से 500 रुपये से बड़ा नोट जारी किया जाएगा. इसके जवाब में आरबीआई के पहले गवर्नर आर गांधी ने कहा कि भारत को 500 से ज्यादा बड़े नोट की जरूरत नहीं है.

पूर्व आरबीआई गवर्नर आर गांधी ने ये भी कहा कि जिस तरह से भारत में डिजिटल ट्रांजेक्शन बढ़ रहे हैं उनको देखकर लगता है कि भारत को बड़े नोटों की जरूरत नहीं है. समय के साथ डिजिटल पेमेंट सिस्टम में बढ़ोतरी हुई है और इसके अलावा भारत में लोअर इन्फ्लेशन है. इसके मद्देनजर भारत में बड़े नोट जारी करने की आवश्यकता नहीं है.

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री के पूर्व प्रिंसिपल सेक्रेटरी नृपेन्द्र मिश्र ने ज़ी न्यूज़ से फोन पर बातचीत की, जिसमें उन्होंने बताया कि पीएम मोदी की सोच शुरुआत से ही थी कि 2000 रुपये के नोट विशेष परिस्थितियों में एक अस्थायी व्यवस्था थी. विशेष रूप से गरीबों के लिए लेन-देन के लिए व्यावहारिक नहीं है. एक लंबे अरसे तक इस नोट को चलन में रखने से काले धन को प्रोत्साहन मिलता, करों में चोरी को प्रलोभन मिलता. इसलिए 2,000 रुपये का नोट चलन से बाहर करने का फैसला जनहित और देशहित में है.

आपको बता दें कि नृपेन्द्र मिश्र 2016 में नोटबंदी के वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रिंसिपल सेक्रेटरी थे. जान लें कि 2000 के नोट अब बैंक की तरफ से नहीं दिया जाएगा. बैंक में 2000 के 10 नोट एक बार में जमा किए जा सकते हैं. बैंक 20,000 के मूल्य के दूसरे नोट बदले में देगी.

दूसरी तरफ राजनीति के गलियारों में 2000 रुपये के नोट को लेकर वार-पलटवार का दौर जारी है, पर बहुत से लोगों को लगता है कि 2000 के नोट को चलन से बाहर करने का सरकार का फैसला भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए भी सही है. इस बीच शहर-शहर आम नागरिक 2000 के नोट बैंकों में जमा करवाने के लिए पहुंचना शुरू हो गए हैं ताकि बिना किसी मुश्किलों से आसानी से नोट बदलवाए जा सकें, या बैंकों में जमा हो सकें.

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार से सवाल करते हुए कटाक्ष किया है कि क्या ये गलत निर्णय के ऊपर परदेदारी है? पहले नोटबंदी से अर्थव्यवस्था को जख्म दिया. नोटबंदी से करोड़ों रोजगार चले गए. जहां एक ओर सरकार के मुताबिक ये फैसला जनता के हितों को ध्यान में रख कर लिया गया है, वहीं कांग्रेस समेत विपक्षी दलों का हमला जारी है.ढ्ढरूढ्ढरू अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने भी 2000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने के फैसले पर सवाल उठाए हैं।

# निस्वार्थ भाव से बच्चों की सेवा मां ही करती है

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर।प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वाधान में तपोवन, मेहरबान सिंह पुरवा में मातृ दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया ।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे उत्तर प्रदेश महिला व बाल विकास राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने शिरकत किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत से हुई।उसके बाद आस्था पांडे के कथक नृत्य को देखकर लोग ताली बजाने पर मजबूर हुये। खनक बाजपेई के गीतों ने सबका मन मोह लिया।मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित किया। उन्होने अपने सम्बोधन में कहा कि अपनी मां का सम्मान करना चाहिये, जीवन में मां की हर बात माननी चाहिये वह हमे हमेशा सही शिक्षा देती है। मां को ईश्वर तुल्य मानना चाहिए।एक मां ही होती है जो जीवन भर बच्चों के लिए निस्वार्थ भाव से सेवा करती है।डाक्टर मधू सिंह ने बतादया कि मां ही परिवार को स्वस्थ व सुखी बना सकती है।राजयोगिनी दीदी ने

अपने सम्बोधन में कहा कि अगर हम शिव को परमात्मा मान ले तो हमारा जीवन श्रेष्ठ बन सकता है।बी के ममता बहन,बी के आरती बहन,बी के शशि बहन आदि लोग उपस्थित रहे।

के विष्णु शुक्ला ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान समय कलयुग अन्तिम चरण पर हैं हम लोगों को परम परमेश्वर शिव बाबा के ज्ञान में जाकर अपना जीवन सफल बना सकते है।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डाक्टर लोकेश सिंह, मघु सिंह, राजयोगिनी दुलारी दीदी, शैलेन्द्र गुप्ता,ओम जन सेवा संस्थान की अध्यक्ष शिव देवी अग्रहरि (सीमा)

# व्यापारियों की मदद लिए महानगर संयोजक व सह संयोजक के अलावा 21 सदस्यीय टास्क फोर्स का किया गठन

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। स्टेट जी एस टी व सेंट्रल जी एस टी के सर्वे छापे और अन्य सरकारी विभागों द्वारा व्यापारियों के उत्पीड़न करने पर मौके पर पहुंच कर उसे रोकने व व्यापारी की मदद करने के लिए 21 सदस्यीय टास्क फोर्स में मार्बल व्यापारी पवन गौड को महानगर संयोजक व गल्ला व्यापारी अनुराग जयसवाल को

सह संयोजक नियुक्त करते हुए 21 सदस्यों का मनोनयन किया गया।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री ज्ञानेश मिश्र व महानगर अध्यक्ष गुरुजिन्दर सिंह ने कोपरगंज स्थित कार्यालय में स्टेट जी एस टी व सेंट्रल जी एस टी के सर्वे छापे और अन्य सरकारी विभागों द्वारा व्यापारियों के उत्पीड़न करने पर मौके पर पहुंच कर उसे रोकने व व्यापारी की मदद करने के लिए महानगर संयोजक व सह संयोजक के अलावा 21 सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया ।महानगर टास्क फोर्स में किदवई नगर के मार्बल व्यापारी पवन गौड को महानगर संयोजक और कलक्टरगंज उद्योग व्यापार मंडल के संयोजक व गल्ला व्यापारी अनुराग जयसवाल को सह संयोजक नियुक्त करते हुए 21 सदस्यों में नौबस्ता व्यापार मंडल के महामंत्री आशीष त्रिपाठी व युवा अध्यक्ष मोहित तिवारी, एक्सप्रेस रोड महामंत्री इखलाक मिर्जा व कोषाध्यक्ष अनुराग साहू, किदवई नगर व्यापार मंडल से वरिष्ठ उपाध्यक्ष जय कुमार शर्मा, कलक्टर गंज उद्योग व्यापार मंडल महामंत्री पवन गुप्ता, छावनी उद्योग व्यापार मंडल से अध्यक्ष अजय गुप्ता राजू , बर्रा उद्योग व्यापार मंडल महामंत्री दुर्गेश त्रिपाठी, मार्बल मार्केट से विशाल ओमर (मोनू) ,आलोक गुप्ता ,सोनू तिवारी,पीयूष दाधीच, राघव त्रिवेदी, कोपरगंज रेडिमेड बाजार से हरीश रामचंदानी व मनीष वसंदानी, 80 फीट व्यापार मंडल से सागर अरोड़ा,गुमटी से राजीव मेहरा, अफीमकोठी लोहा से अभिषेक गुप्ता, कुली बाजार हार्डवेयर से अनुपम गुप्ता व राकेश गुप्ता, बारादेवी से राहुल गुप्ता का मनोनयन किया गया।

# दवा बाजार मे ड्रग विभाग द्वारा की गई बड़ी कार्यवाही, अवैध गोदाम किया सील

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर नगर। बिरहाना रोड दवा बाजार में अवैध गोदाम बिना लाइसेंस के चलाया जा रहा था। जिसकी सूचना मिलने पर जिला अधिकारी कानपुर नगर व सहायक आयुक्त दिनेश कुमार तिवारी कानपुर के दिशा निर्देश पर टीम गठित की गई ।टीम में कानपुर नगर औषधि निरीक्षक संदेश मौर्या, कानपुर देहात औषधि निरीक्षक रेखा सचान, औरैया औषधि निरीक्षक ज्योत्सना आनंद, इटावा औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडे एवं फीलखाना से पुलिस सहायता बल के साथ संयुक्त रूप से छापेमारी कर अवैध रूप से बिना लाइसेंस चलाए जा रहे अवैध गोदाम को सीज कर संदिग्ध 24 दवाओं के सैंपल जांच के लिए लखनऊ भेजे गए। संदेश मौर्या ने बताया कि एस जी पी एस फार्मा के दो गोदामों में छापेमारी की गई थी, जिसमें एक गोदाम का लाइसेंस था वही दूसरा गोदाम बगैर लाइसेंस अवैध चल रहा था। अवैध गोदाम का संचालन विक्की लालवानी मालिक एसजीपीएस फार्मास्यूटिकल कानपुर नगर के द्वारा किया जा रहा था। मौर्या ने बताया कि कार्यवाही गुरुवार से लेकर शुक्रवार सुबह 1:15 बजे तक की गई। कार्यवाही में अवैध गोदाम से सवा करोड़ से ज्यादा की दवाएं जप्त कर गोदाम को सील किया गया है। साथ ही संदिग्ध 24 दवाओं के सैंपल लिए गए हैं जिन्हें जांच के लिए लखनऊ भेजा जाएगा। संदेश मौर्या ने बताया कि अब तक की यह सबसे बड़ी कार्यवाही है।

# मार्बल मार्केट व अन्य बाजारों में जी एस टी के सर्वे छापे स्वीकार नही

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर।6 मई से उप्र में स्टेट जी एस टी व सेंट्रल जी एस टी के अधिकारियों द्वारा बाजारों में जांच, सर्वे व छापे के आदेश होने के संबंध में रणनीति बनाने के लिए एक अति आवश्यक बैठक मार्बल मार्केट किदवई नगर में आहूत की गई,महानगर स्तर पर टास्क फोर्स का पुनर्गठन किया गया ,इस आदेश के आने से ही बाजारों में भय का माहोल हो गया है

मार्बल मार्केट व अन्य बाजारों में जी एस टी के सर्वे छापे स्वीकार नही लिखे पोस्टर लगाकर व लेकर प्रदर्शन हुआ और तय हुआ कि स्टेट या सेंट्रल जी एस टी से कोई भी अधिकारी बाजारों में जांच सर्वे छापे के लिए आएगा या किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न करेगा तो हमारे पदाधिकारी व टास्क फोर्स के सदस्य मौके पर जाकर विरोध करेंगेभारतीय उद्योग व्यापार मंडल की मार्बल मार्केट किदवई नगर में आज 16 मई से उप्र में स्टेट जी एस

टी व सेंट्रल जी एस टी के अधिकारियों द्वारा बाजारों में जांच, सर्वे व छापे के आदेश होने के संबंध में रणनीति बनाने के लिए एक अति आवश्यक बैठक आहूत की गई।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की महानगर स्तर पर टास्क फोर्स का पुनर्गठन करते हुए मार्बल व्यापारी पवन गौड को महानगर संयोजक व गल्ला व्यापारी अनुराग जयसवाल बबलू को सह संयोजक नियुक्त किया गया और इनको मिलाकर 21 सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया गया।बैठक में कहा गया कि इस आदेश के आने से ही बाजारों में भय का माहोल हो गया है।

बैठक के उपरांत मार्बल मार्केट किदवई नगर व अन्य बाजारों में जी एस टी के सर्वे छापे स्वीकार नही लिखे पोस्टर लगाये गए व मार्बल मार्केट में ही पोस्टर लेकर प्रदर्शन भी हुआ ।बैठक में तय हुआ कि स्टेट या सेंट्रल जी एस टी से कोई भी अधिकारी बाजारों में जांच सर्वे छापे के लिए आएगा या किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न करेगा तो हमारे पदाधिकारी व 21 सदस्यीय महानगर टास्क फोर्स* के सदस्य मौके पर जाकर विरोध करेंगे।

बैठक में विशेष आमंत्रित भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि एक आदेश के माध्यम से आज 16 मई से उप्र में बाजारों में जाकर स्टेट जी एस टी व सेंट्रल जी एस टी के अधिकारी फर्मों की जांच करेंगे और जबकि देश व उप्र और कानपुर ने भी अप्रेल माह में जी एस टी कलेक्शन ने रिकॉर्ड बनाया है ऐसे में इस तरह की जांच का आदेश प्रसारित करके भय का माहोल बनाना कतई उचित नहीं है अगर इस तरह की कोई उत्पीड़नात्मक कार्यवाही हुई और किसी भी व्यापारी को परेशान किया गया तो मौके पर जाकर विरोध किया जाएगा ।बैठक में महानगर अध्यक्ष सरदार गुरुजिंदर सिंह ने कहा* कि विभाग को व्यापार बढ़ाने के उपाय करने चाहिए न कि जांच के नाम पर भय का माहोल बनाना चाहिए और अभी दो दिन पहले ही निकाय चुनाव की आचार संहिता समाप्त हुई है और सहालग भी चल रही है ऐसे में बाजारों में स्टेट व सेंट्रल जी एस टी के अधिकारी जांच सर्वे छापे के नाम पर भय न बनाए अन्यथा हम सड़को पर उतरकर इसका विरोध करेंगे ।महानगर महामंत्री मनीष गुप्ता सलोने और मार्बल व्यापारी व वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक शुक्ल ने कहा कि महानगर का व्यापारी इस तरह के भय के माहोल में व्यापार नही कर पाने की स्थिति में है इस तरह के आदेश को वापस लिया जाना चाहिए जिससे बाजारों में भय का माहोल समाप्त हो ।

महानगर टास्क फोर्स संयोजक पवन गौड व सह संयोजक अनुराग जयसवाल बबलू ने कहा कि किसी भी व्यापारी के उत्पीड़न की सूचना पर टास्क फोर्स तुरंत मौके पर पहुंच कर विरोध दर्ज कराएगी।

बैठक में प्रमुख रूप से महानगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकांत शर्मा,युवा महामंत्री विनायक पोद्दार व मनोज विश्वकर्मा,वरिष्ठ मंत्री जय कुमार शर्मा,उपाध्यक्ष भोला मिश्र,मार्बल मार्केट अध्यक्ष अशोक केसरवानी,विजय गुप्ता,प्रखर शुक्ला,गौरव शर्मा,शिवांशु गुप्ता,सौरभ गौड,आशीष गुप्ता,आलोक गुप्ता,राघव त्रिवेदी, आशुतोष शुक्ला,प्रशांत मिश्र,नरेश चौरसिया,राकेश गुप्ता,विनोद दधीचि,प्रवीण चौधरी ,लालू गुप्ता, धीरज मिश्र,कमलेंद्र सिंह,सोनू तिवारी, सोनू गुप्ता आदि थे।

# चलती बाइक में लगी आग,बाइक सवार की जान बची

कानपुर। नौबस्ता के यशोदा नगर बाईपास में एक चलती बाइक में आग लग गई। इस दौरान बाइक सवार ने उतर कर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते बाइक धू-धूकर जलने लगी। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया ।नौबस्ता के आवास-विकास निवासी नागेंद्र नयागंज स्थित एक कपड़े के शोरूम में काम करते हैं। रविवार सुबह वह बाइक से दुकान जा रहे थे। रास्ते में यशोदा नगर बायपास के पास उनकी बाइक में शार्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। बाइक से धुआ निकलता देख कर उन्होंने उतर कर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में बाइक धू-धूकर जलने लगी। आनन-फानन में पुलिस और दमकल को सूचना दी गई।

# पूर्व प्रधानमंत्री के निर्वाण दिवस पर हुई पुष्पांजलि सभा

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। शहर कांग्रेस कमेटी उत्तर एवं नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान मे देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न राजीव गांधी के 32 वें निर्वाण दिवस पर पूर्व की भांति इस वर्ष भी मोतीझील स्थित' राजीव वाटिका' मे स्थापित राजीव गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि सभा का आयोजित हुई। शहर कांग्रेस उत्तर के अध्यक्ष नौशाद मंसूरी ने राजीव गांधी को देश का महानतम राष्ट्रभक्त बताते हुये कहा कि राजीव गांधी ने न केवल युवाशक्ति की सत्ता मे भागीदारी सुनिश्चित कराके उन्हे 21 वीं शताब्दी के लिए प्रौद्योगिक उन्नयन से सम्बद्ध कर कम्प्यूटर एवं मोबाइल क्रान्ति से जोड़ने का गुरुतरु कार्य किया। ग्रामीण अध्यक्ष अमित पाण्डे ने कहा कि उन्होंने सत्ता को लोकहितकारी बनाने के लिए 73वें व 74वें संविधान संशोधन कर ग्राम पंचायतो के साथ नगरीय निकायो मे महिलाओ, पिछड़ो व दलित वर्ग को भी सृजनात्मक भागेदारी का भी मार्ग प्रशस्त किया था। पुष्पांजलि सभा में पूर्व विधायक भूधर नारायन मिश्रा व संजीव दरियाबादी ने राजीव गांधी की देश व समाज की सर्वोत्तमुखी प्रगति की सोच को आज भी प्रासंगिक बताया जिसे अपनाकर देश को समृद्धिशाली दिशा की ओर अग्रसर किया जा सकता है ।कार्यक्रम का संयोजन आदित्य चैबे व सभा संचालन संतोष मिश्रा ने किया ।पुष्पांजलि कार्यक्रम मे मदन मोहन शुक्ल, शंकर दत्त मिश्र, पवन गुप्ता, लल्लन अवस्थी, राजेश राजपूत, धवल पाण्डेय, सिराज कुरैशी, ऊषारानी कोरी, राजीव द्विवेदी, हीरालाल निषाद, वसुन्धरा वर्मा, विशाल सोनकर, दिव्यता बाजपेई, मदन गोपाल राखरा, पदम मोहन मिश्र, नरेन्द्र चंचल, विजय नारायन शुक्ल, महेन्द्र भदौरिया, वीरेन्द्र चतुर्वेदी, ताराचन्द्र गुप्ता व दीपक धवन ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुये राजीव गांधी को अपने श्रद्धासुमन समर्पित किये।

# उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई चौबेपुर कानपुर नगर का निर्वाचन-अधिवेशन

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर।( विनय कुमार)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई चौबेपुर कानपुर नगर का निर्वाचन-अधिवेशन में श्री अवधेश कुमार दीक्षित अध्यक्ष एवं श्री पवन कुमार त्रिपाठी मंत्री निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने में श्री शिव प्रकाश पांडे , श्री श्यामला कांत दीक्षित, अरविंद शुक्ला, पीयूष कुमार शुक्ला, डॉ पुष्पेंद्र सिंह का पूर्ण सहयोग रहा।

ब्लॉक इकाई के सम्मानित शिक्षक, शिक्षिकाएं उमेश चंद्र बाजपेई, देवेश उपाध्याय, मीना पांडे, गया प्रसाद पाल, अजीत द्विवेदी, सावित्री यादव, मंजू, शोभा, सरिता आदि शिक्षक, शिक्षिकाओं ने बधाई दी।

उक्त मौके पर जिला अध्यक्ष राकेश बाबू पांडे ने भी बधाई एवं आशीर्वाद दिया।

संगठन से 6 वर्ष के लिए निष्कासित अनुपम त्रिवेदी, योगेंद्र सिंह, वीरेंद्र कुमार कुशवाहा शिक्षकों ने चुनाव प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न की। पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

# पिकअप का टायर बदल रहे लोगों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर,दो की मौत

कानपुर। हाईवे के उत्तरीपूरा बाईपास पर देर रात एक बजे खड़ी पिकअप में किसी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप का टायर बदल रहे दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची एंबुलेंस सभी को शिवराजपुर सीएचसी ले गई। जहां डॉक्टरों ने एक को मृत बताया वहीं दूसरे की कानपुर जाते समय रास्ते में मौत हो गई ।उत्तरीपुरा चौकी प्रभारी के मुताबिक शनिवार देर रात एक बजे कानपुर की ओर जा रही पिकअप का टायर पंचर हो गया। गाड़ी किनारे खड़ी कर पिकअप में सवार लोग टायर बदल रहे थे। इस बीच किसी वाहन ने पिकअप में टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस एंबुलेंस से सभी घायलों को शिवराजपुर सीएचसी ले गई। जहां परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने कानपुर के जाजमऊ क्षेत्र के महू शहीद का भट्टा निवासी फरीद अहमद पुत्र हमीद को मृत घोषित कर दिया। वहीं रायबरेली के सरेली, भूरेमऊ निवासी विजय शंकर (29) पुत्र लक्ष्मी नारायण व सरेली, सगरालाल निवासी विकास (23) पुत्र फूलचंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में कानपुर रेफर कर दिया। कानपुर जाते समय रास्ते में विजय शंकर की भी मौत हो गई। चौकी प्रभारी सतीश चंद्र यादव ने बताया कि घायल के स्वजन को सूचना दे दी गई है। वहीं मृतक के स्वजन से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है।

# हत्या के प्रयास का फरार आरोपित गिरफ्तार

कानपुर। नरवल थाना क्षेत्र के अंतर्गत धरमंगतपुर में बीते दिनों आपसी कहासुनी में पड़ोसी ने युवक से मारपीट की। जिसके बाद पीड़ित की तहरीर पर नरवल पुलिस ने मारपीट व हत्या के प्रयास में एक युवक पर नामजद मुकदमा पंजीकृत किया था। इसके बाद पुलिस ने वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी। रविवार को पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है ।घटनाक्रम के अनुसार, बुधवार को नरवल क्षेत्र के धरमंगतपुर गांव में आपसी कहासुनी में दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसके बाद महेन्द्र ने अपने पड़ोसी के साथ जमकर मारपीट कर जान से मारने की कोशिश की जिसके बाद पीड़ित ने आरोपियों की शिकायत पुलिस से की। नरवल एसएचओ चन्द्रकान्त मिश्र ने बताया कि अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के अनुपालन में अभियुक्त महेन्द्र कुमार आदि के विरूद्ध पंजीकृत किया गया था।

# जच्चा-बच्चा की सुरक्षा, संस्थागत प्रसव ही अच्छा

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर।नेशनल फ़ैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफ़एचएस-4) 2015-16 के अनुसार जनपद में 76.4 फीसदी संस्थागत प्रसव के मामले सामने आए जबकि एनएफ़एचएस-5 2019-21 के अनुसार यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 86.6 फीसदी पहुँच गया है। यह बताता है कि जनपद में संस्थागत प्रसव का स्तर बढ़ता जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ आलोक रंजन का कहना है की सुरक्षित प्रसव के लिए संस्थागत प्रसव का होना बहुत जरूरी है चाहे वो सरकारी अस्पताल में हो या निजी अस्पतालों में। संस्थागत प्रसव का तात्पर्य चिकित्सा संस्थान में प्रशिक्षित और सक्षम स्वास्थ्य कर्मियों के पर्यवेक्षण में एक बच्चे को जन्म देना है जहां स्थिति को संभालने और माता व शिशु के जीवन को बचाने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध रहती है। संस्थागत प्रसव के परिणामस्वरूप शिशु और मातृ मृत्यु दर को कम किया जा सकता है वहीं माता और शिशु के समग्र स्वास्थ्य की स्थिति में वृद्धि भी की जा सकती है।संस्थागत प्रसव से होने वाले लाभ अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एसके सिंह काखना है की बहुत सी माताएँ अस्पताल में अपने आपको सबसे सुरक्षित महसूस करती हैं। चिकित्सा जटिलताओं के जोखिम में माताओं के लिए यह सबसे सुरक्षित वातावरण भी है। यदि जच्चा बच्चा दोनों को किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो आपातकालीन स्थिति में उनपर विशेष ध्यान दिया जाता है। नवजात शिशु की देखभाल के लिए तत्काल चिकित्सा सुविधा मौजूद रहती है एवं बाल रोग विशेषज्ञ द्वारा नियमित रूप से जांच की जाती है। डॉ सीमा श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला महिला अस्पताल ने कहा कि मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए संस्थागत प्रसव की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार की ओर से कई सुविधाएं उपलब्ध हैं। गर्भवती को 102 व 108 एंबुलेंस से आने-जाने की सुविधा मौजूद है। गर्भवती महिला को संस्थागत प्रसव के लिए जननी सुरक्षा योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में 1400 रुपये एवं शहरी क्षेत्र में 1000 रुपये दिये जाते है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत पहले बच्चे में 5000 रुपये तीन किस्तों में दिया जाता है। इन सुविधाओं से और आर्थिक रूप से भी गर्भवती महिलाओं को मदद मिलती है।

## मंदिर के अंदर संरक्षक का मिला शव, फैली सनसनी

कानपुर। गोविन्द नगर थाना क्षेत्र के मंदिर के अंदर फंदे से लटका मिला संरक्षक का शव मृतक राधे श्याम ने मौत से पहले मंदिर के साउंड बॉक्स में लिखे कई लोगों के नाम मंदिर संरक्षक की आत्महत्या की आशंका,साउंड बॉक्स में लिखे नामों की वजह से आत्महत्या की आशंका, पुलिस मौके पर पहुंच जाँच पड़ताल में जुटी गोविंदनगर थानाक्षेत्र के दबौली वेस्ट स्थित बंदर बाबा मंदिर का मामला।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।